শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 319 | गुवाहाटी | रविवार, 22 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा ने उड़ाए 1494 करोड़, कांग्रेस भी पीछे नहीं — पेज 2
एपीएससी भर्ती घोटाला : हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देगी असम सरकार — पेज 3
लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन में एक नई शक्ति बनेगा हरियाणा : नायब सैनी — पेज 5
भूटिया ने जानबूझकर एआईएफएफ की छवि को धूमिल करने के लिए लगाए... — पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

भूख के समान कोई दूसरा शत्रु नहीं है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

सोनम और राज कुशवाह को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा

शिलांग (हि.स.)। मेघालय के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड के आरोपित सोनम रघुवंशी और राज कुशवाह को शिलांग कोर्ट ने शनिवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। हत्या के मामले में मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिला सत्र न्यायालय में दोनों को पेश किया गया था। राजा रघुवंशी हत्याकांड के आरोपित सोनम रधुवंशी और राज कुशवाहा -शेष पृष्ठ दो पर

ऐतिहासिक अंबुवासी मेला आज से, मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

महानगर में यातायात प्रतिबंध जारी

गुवाहाटी (हि.स./एजे)। असम पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन, कामरूप (मेट्रो) के संयुक्त तत्वावधान में ऐतिसाहिक अंबुवासी मेला का भव्य उद्घाटन समारोह 22 जून की शाम 6:30 बजे गुवाहाटी के पांडु पोर्ट में आयोजित होगा। इस शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा अंबुवासी मेला का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में असम के पर्यटन मंत्री रंजीत कुमार दास विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों के अनुसार शाम 6:30 बजे मुख्य अतिथि के आगमन के पश्चात स्मृति भास्वती भारती द्वारा कामाख्या बंदना प्रस्तुत की जाएगी। स्वागत भाषण पर्यटन मंत्री रंजीत कुमार दास द्वारा दिया जाएगा, जिसके बाद कामाख्या मंदिर के बर दोलोई कोविंद्र प्रसाद शर्मा सभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा अपने संबोधन के साथ आधिकारिक रूप से अंबुवासी मेला का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद धन्यवाद् ज्ञापन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। सांस्कृतिक प्रस्तुति में अमृतप्रभा महंत और उनके समूह द्वारा दुर्गा स्तुति तथा हिरक ज्योति शर्मा द्वारा पारंपरिक भक्ति संगीत प्रस्तुत किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि कामाख्या देवालय में 22 से 26 जून तक मनाया जाने वाला ऐतिहासिक अंबुवासी मेला पूर्वोत्तर भारत का एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है, जिसमें देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। वहीं अंबुवासी महायोग 2025 के लिए 22 जून से 25 जून तक पुलिस उपायुक्त (यातायात) व्यापक यातायात व्यवस्था की घोषणा की है। इन उपायों का उद्देश्य सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा एम्बुलेंस, अग्निशमन गाड़ियां और स्कूल बसों जैसे आपातकालीन वाहनों तक पहुंच सुनिश्चित करना है। मेले को लेकर प्रशासन ने कहा कि केवल जिला प्रशासन द्वारा जारी वैध कार पास (फेरी कार) वाले वाहन ही कामाख्या तलहटी से मंदिर तक पहुंच पाएंगे। इसके अतिरिक्त, अधिकारी प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 10 बजे के बीच नौका वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाएंगे। पांडु पोर्ट रोड आपातकालीन उपयोग के लिए विशेष रूप से खुला रहेगा। जालुकबारी या भरलुमुख के रास्ते आने वाले तीर्थयात्रियों को एनएफ रेलवे मुख्यालय के गेट संख्या 3 और 4 के पास निर्दिष्ट ड्रॉप-ऑफ स्पॉट का उपयोग करना होगा। सभी शहरी और एएसटीसी बसों को जालुकबारी और माछखोवा के बीच नीलाचल फ्लाईओवर का उपयोग करना होगा, क्योंकि सर्विस लेन तक पहुंच प्रतिबंधित है। प्राधिकारियों ने -शेष पृष्ठ दो पर

कोई विस्फोट नहीं, कोई झड़प नहीं...

पिछले पांच सालों में बीटीआर एक शांतिपूर्ण क्षेत्र में बदल गया : सीएम

डॉ. शर्मा ने चिरांग में पूर्वोत्तर की पहली पूर्णत: आधुनिक जेल का किया उद्घाटन

चिरांग (एजे/हि.स.)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) पिछले पांच वर्षों से हिंसा से मुक्त रहा है। यह बयान बाक्सा में नई जिला जेल के उद्घाटन के दौरान दिया गया। शर्मा ने कहा कि पिछले पांच सालों में बम विस्फोट, गोलीबारी और बोड़ो और गैर-बोड़ो समुदायों के बीच कोई झड़प की घटना नहीं हुई है। इस क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण कार्य था। आज, बोड़ोलैंड के अंतर्गत आने वाले जिले असम के बाकी हिस्सों के साथ-साथ प्रगति कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि अगले पांच वर्षों में सतत शांति से लोगों को क्षेत्र के हिंसक अतीत से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमने बोड़ोलैंड को -शेष पृष्ठ दो पर

-- DIPR /D/VBS-35/22-Jun-25

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पंजाब पुलिस ने बीकेआई का गुर्गा पकड़ा छह पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस मॉड्यूल को यूके में बैठे खालिस्तानी आतंकी धर्म सिंह उर्फ धर्मा संधू द्वारा संचालित किया जा रहा था, जो कि पाकिस्तान आधारित खूंखार आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा का करीबी माना जाता है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इस गिरोह से जुड़े ओंकार सिंह नामक स्थानीय संचालक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से 6 आधुनिक पिस्टल बरामद की हैं। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि यह मॉड्यूल पंजाब में अशांति फैलाने के इरादे से विदेशी आतंकी संगठनों और रिंदा गैंग की शह पर सक्रिय था। यह गिरोह विदेशों से हथियार मंगवाकर पंजाब में हिंसक वारदातों की योजना बना रहा था। उन्होंने कहा कि अमृतसर पुलिस की सतर्कता और तेज कार्रवाई से एक बड़ी साजिश को विफल कर दिया गया है।

2024 चुनाव में नोटों की बारिश

भाजपा ने उड़ाए 1494 करोड़, कांग्रेस भी पीछे नहीं

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा और चार राज्यों के विधानसभा चुनाव न सिर्फ राजनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहे, बल्कि पैसों के लिहाज से भी ये बेहद चर्चा में रहे। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के अनुसार, इस चुनावी दौर में कुल 3352.81 करोड़ रुपए खर्च किए गए, जिसमें अकेले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का हिस्सा लगभग आधा रहा। भाजपा ने चुनाव प्रचार, यात्राएं और अन्य गतिविधियों पर कुल 1494 करोड़ रुपए खर्च किए। इसका मतलब है कि कुल चुनावी खर्च का करीब 44.56 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ भाजपा ने अकेले उठाया। 11 साल से केंद्र की सत्ता से बाहर रही कांग्रेस ने भी पीछे हटने का नाम नहीं लिया और उसने 620 करोड़ खर्च किए, जो कुल खर्च का 18.5 प्रतिशत है। चुनाव प्रचार के लिए दलों ने दिल खोलकर पैसा खर्च किया। प्रचार-प्रसार पर सभी दलों ने मिलाकर 2008 करोड़ खर्च किए, जो कुल खर्च का 53 प्रतिशत है। स्टार प्रचारकों की यात्राओं पर 765 करोड़, अन्य यात्रा खर्चों पर 795 करोड़, कार्यकर्ताओं पर खर्च सिर्फ 30 करोड़ रहा। इससे साफ है कि बड़े चेहरों की रैलियों और मीडिया प्रचार को प्राथमिकता दी गई, जबकि जमीनी कार्यकर्ताओं पर ध्यान अपेक्षाकृत कम रहा। चुनावों के दौरान राष्ट्रीय दलों ने 6930.25 करोड़ रुपए जुटाए, जबकि क्षेत्रीय दलों ने कुल मिलाकर 515.32 करोड़ इकट्ठे किए। इस दौरान उम्मीदवारों को नकद में 402 करोड़ की राशि प्राप्त हुई। वहीं वर्चुअल प्रचार के लिए 132 करोड़ खर्च किए गए, जो डिजिटल माध्यमों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। एडीआर रिपोर्ट की चौंकाने वाली बात ये रही कि 690 गैर-पंजीकृत या अल्पज्ञात पार्टियों ने चुनाव लड़ा, लेकिन उनके खर्च की कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। इतना ही नहीं, एनसीपी, सीपीआई, जेएमएम और शिवसेना (उद्धव गुट) जैसे प्रमुख दलों ने भी चुनाव लड़े बावजूद इसके खर्च *शून्य* दर्शाया, जो पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। चुनाव आयोग की गाइडलाइन के मुताबिक पार्टियों को चुनाव खत्म होने के 90 दिनों के भीतर खर्च का ब्यौरा जमा करना होता है। लेकिन कई पार्टियों ने इस नियम की अनदेखी की: आप ने रिपोर्ट 168 दिन बाद जमा की, भाजपा ने 154 दिन बाद रिपोर्ट सौंपी, केवल कांग्रेस ने समयसीमा के भीतर अपना खर्चीला लेखा-जोखा आयोग को सौंपा।

अल्फा ने राज्य के सीमावर्ती इलाकों से इस साल छह करोड़ की उगाही की : पुलिस

गुवाहाटी। यद्यपि इसकी ताकत कम हो गई है, लेकिन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडीपेन्डेंट) (अल्फा-आई) अभी भी म्यांमार के अंदर तीन शिविर बनाए हुए है और उग्रवादी संगठन मुख्य रूप से असम-अरुणाचल प्रदेश अंतर-राज्यीय सीमा क्षेत्रों में धन एकत्र करने में लगा हुआ है। पुलिस और सुरक्षा बलों ने असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास से संगठन के *ऑपरेशन कमांडर* रूपम असोम की गिरफ्तारी के बाद संगठन की गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान रूपम ने संगठन की जबरन वसूली की कोशिशों के बारे में स्वीकार किया और खुलासा किया कि संगठन इस साल लगभग 6 करोड़ रुपए इकट्ठा करने में कामयाब रहा है। ज्यादातर चंदा असम-अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों से इकट्ठा किया गया क्योंकि संगठन के कार्यकर्ता असम के अंदरूनी इलाकों में घुसने से डरते हैं। हालांकि, कार्यकर्ताओं को यह नहीं पता कि यह पैसा कहां खर्च किया जाता है। म्यांमार में अल्फा (आई) का मुख्य शिविर पड़ोसी देश के बहुत अंदर स्थित है और इसे जनरल मोबाइल मुख्यालय कहा जाता है। इसका नेतृत्व वरिष्ठ नेता माइकल डेका फुकन करते हैं। यह संगठन का सबसे बड़ा शिविर है जहां अधिकांश कैडर रहते हैं और नए कैडर का थोड़ा प्रशिक्षण भी उसी शिविर में होता है। दूसरे प्रमुख शिविर का नाम *पूर्वी शिविर* है, जिसका नेतृत्व नयन असोम कर रहे हैं। लेकिन इस समय इस शिविर में ज्यादा गतिविधि नहीं चल रही है। सबसे सक्रिय शिविर *अराकान कैंप* है, जिसे *कैंप 779* के नाम से भी जाना जाता है, जिसका नेतृत्व अरुणोदोई असोम करता है। इस शिविर के सदस्यों को अक्सर पैसे ऐंठने और व्यापारियों या उनके कर्मचारियों का अपहरण करने के लिए भारत भेजा जाता है। ये सदस्य हिंसा की घटनाओं में भी शामिल होते हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रूपम अराकान शिविर का सदस्य था और वह संगठन की गतिविधियों में शामिल था। सूत्रों ने यह भी बताया कि रूपम के नेतृत्व में 10 सदस्यों का एक समूह इस साल फरवरी में म्यांमार से भारत में घुसा था, ताकि पैसे इकट्ठा किए जा सकें और अगर संभव हो तो अभियान शुरू किया जा सके। लेकिन तीन सदस्यों ने पहले ही मौके पर आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे टीम कमजोर हो गई। रूपम की गिरफ्तारी से गिरोह में और कमी आई है और ऐसा माना जा रहा है कि शेष सदस्य अभी भी अरुणाचल प्रदेश में हैं। रूपम ने पुलिस और सुरक्षा बलों के समक्ष स्वीकार किया कि शिविरों की स्थिति के कारण कार्यकर्ताओं में गंभीर असंतोष है और मौका मिलने पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता आत्मसमर्पण कर सकते हैं। ज्यादातर नए कैडर उग्रवादी संगठन में शामिल होने के पीछे एक सुनहरा सपना था, लेकिन जब वे म्यांमार पहुंचे तो उन्हें पता चला कि वहां की जिंदगी बहुत कठिन है।

मैतेई संगठन कोकोमी की मांग-

इंफाल घाटी में बनाया जाए *किसान सुरक्षा जोन*, हथियारबंद को देखते ही मारी जाए गोली

इंफाल। मणिपुर में एक किसान पर गोली चलने की घटना के दो दिन बाद शनिवार को मैतेई संगठन कोकोमी ने इंफाल घाटी के सीमावर्ती क्षेत्रों में *किसान सुरक्षा जोन* बनाने की मांग की। कोकोमी ने यह भी मांग की कि इन सीमावर्ती क्षेत्रों में किसी भी अनाधिकृत हथियारबंद व्यक्ति, खासकर असॉल्ट राइफल या घातक हथियार लिए हुए लोगों के खिलाफ *देखते ही गोली मारने* के आदेश दिए जाएं। इस गोलीबारी की निंदा करते हुए कोकोमी ने अपने बयान में कहा कि निंगथौजम बीरेन सिंह को एसएसबी सुरक्षा लाइन से सिर्फ 30 मीटर दूर बहुत नजदीक से गोली मारी गई। आतंक का यह कृत्य बीएसएफ, सेना और एसएसबी की त्रिस्तरीय सुरक्षा को तोड़कर किया गया, जिससे सुरक्षा व्यवस्था की मंशा, क्षमता और भरोसे पर गंभीर सवाल उठते हैं। मणिपुर अखंडता समन्वय समिति (कोकोमी) की एक टीम ने बिष्णुपुर जिले के पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की और फिर पुलिस मुख्यालय में एडीजीपी एल. कैलुन और आईजीपी के. कबिब जैसे वरिष्ठ अधिकारियों के साथभी बैठक भी की। संगठन ने कहा कि वह स्थानीय किसानों और घायल किसान के परिवार के साथ पूरी तरह खड़ी है। कोकोमी ने मांग दोहराई कि किसान सुरक्षा जोन बनाया जाए और उसमें देखते ही गोली मारने का आदेश भी लागू किया जाए। कोकोमी ने कहा कि इंफाल घाटी के किनारे के सारे कृषि क्षेत्र और नहरों के पास का इलाका आधिकारिक रूप से किसान सुरक्षा जोन घोषित किया जाना चाहिए। यह क्षेत्र *नो-आर्म्स जोन* होना चाहिए, यानी किसी भी प्रकार के हथियारों की अनुमति न हो। अगर कोई हथियारबंद व्यक्ति, खासकर घातक हथियार या असॉल्ट राइफल लेकर मिले, तो उसे देखते ही गोली मारी जाए। संगठन ने यह भी मांग की कि किसानों को निरंतर खेती करने का अधिकार दिया जाए, ताकि मैतेई किसानों को बिना डर या बाधा के खेतों तक पहुंचने और धान की खेती करने की अनुमति मिले, खासकर पहाड़ी इलाकों तक। कोकोमी ने कहा कि वहां दो से तीन और सुरक्षा टुकड़ियां तैनात की जाएं, जो मोबाइल पेट्रोलिंग करें और मौजूदा स्थायी चौकियों को बनाए रखा जाए, ताकि संवेदनशील खेती वाले क्षेत्रों पर चौबीसों घंटे निगरानी हो सके।

गुवाहाटी से चेन्नई जा रही फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। गुरुवार को गुवाहाटी से चेन्नई जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6764 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बताया जा रहा है कि इस विमान में फ्यूल की कमी के कारण ये पायलट ने ये फैसला लिया। दरअसल, पायलट द्वारा *फ्यूल मेडे* कॉल किया गया। इसके तुरंत बाद विमान को बेंगलुरु की ओर मोड़ा गया। जहां पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। बताया जा रहा है कि चेन्नई एयरपोर्ट पर भीड़भाड़ के कारण विमान को समय पर वहां उतरने से रोका गया। खबरों के अनुसार, आपातकालीन मार्ग परिवर्तन के दौरान विमान में यात्री सवार थे। फ्लाइट रात 8:15 बजे सुरक्षित रूप से बेंगलुरु में उतरी।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा : पांच गिरफ्तार 90 लाख से अधिक का ट्रांजेक्शन उजागर

भीलवाड़ा (हिंस)। भीलवाड़ा पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की दो अलग-अलग स्थानों पर हुई कार्रवाई में करीब 90 लाख रुपए से अधिक का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। ये सभी युवक क्रिकेट मैचों पर आईडी बनाकर ऑनलाइन खाईवाली करते थे और इस अवैध कमाई को ब्याज व प्रॉपर्टी में निवेश करते थे। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे की सूचना पर साइबर सेल और डीएसटी टीम के सहयोग से छापेमारी की गई। इस दौरान हरनी कला निवासी विनोद (30) को गिरफ्तार किया गया। विनोद के मोबाइल की जांच में करीब 65 लाख रुपए के सट्टे का रिकॉर्ड और ट्रांजैक्शन मिला। पूछताछ में विनोद ने अपने साथियों के नाम उजागर किए, जिनकी गिरफ्तारी बाद में हुई। पुलिस की दूसरी कार्रवाई में भीलवाड़ा निवासी गोपाल दास उर्फ गोपी (35) को गिरफ्तार किया गया। उसके मोबाइल में क्रिकेट सट्टे की करीब 25 लाख की खाईवाली का रिकॉर्ड मिला है। पूछताछ में गोपाल ने बताया कि वह डालचंद जाट के लिए काम करता है और 25 हजार रुपए मासिक वेतन पर क्रिकेट मैचों की सट्टा आईडी बनाता था। वह किसान वाटिका जाकर ये आईडी देता था और सप्ताह के हर सोमवार को हिसाब होता था। डालचंद से उसकी बातचीत वॉइस कॉल और मैसेज से होती थी।

अंबुवासी मेला : श्रद्धालुओं की सेवा के लिए अभाविप तैयार

गुवाहाटी (हि.स.)। शक्तिपीठ मां कामाख्या धाम में रविवार से अंबुवासी मेला आरंभ होने जा रहा है। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु इस अवसर पर मां के दर्शन के लिए पावन धाम पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं की सेवा के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने व्यापक तैयारियां की हैं। अभाविप असम प्रांत के स्वयंसेवक, राज्य के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आकर, स्वास्थ्य, स्वच्छता और जल आपूर्ति जैसी आवश्यक सुविधाओं में सहयोग करेंगे। गुवाहाटी महानगर सहित अन्य जिलों से आए कार्यकर्ता मां कामाख्या की नगरी में श्रद्धालुओं की सेवा में जुटेंगे।

यूएनएससी में ईरान के लिए इजरायल से भिड़ गया चीन

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग को लेकर दुनियाभर के देश अपने अपने तरीके से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जी-7 की बैठक को बीच में ही छोड़कर वहां से आनन-फानन में निकले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बॉडी लैंग्वेज से तो ऐसा ही लगा कि वो अब बस ईरान पर कुछ बड़ा कदम उठाने ही वाले है। एयरफोर्स वन में बैठते वक्त पत्रकारों से भी कुछ बड़ा होने वाला शगूफा छोड़ा। हालांकि बाद में पता चला कि ट्रंप को ईरान पर एक्शन लेना है या नहीं इसे तय करने के लिए 15 दिन का वक्त लगेगा। इन सब के बीच रूस और चीन खुलकर इजरायल के विरोध में आ गए हैं। संयुक्त राष्ट्र में इसकी झलक भी दिखाई पड़ी। इजरायल अकेला पड़ता नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मदद की उम्मीद कम हो चुकी है और उधर चीन व रूस लगातार इजरायल पर हमलावर है। चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मीटिंग में इजरायल को लेकर जो कहा उसके बाद मानो इजरायल की मुसीबत और बढ़ने वाली है। यूएनएससी की इमरजेंसी मीटिंग में इजरायल पर साफ साफ चीन ने कई गंभीर आरोप लगाए। संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि फू कांग ने कहा कि इजरायल की कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय कानून और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मानदंडों का उल्लंघन करती है। ईरान की संप्रभुता और सुरक्षा को खतरे में डालती है। चीन, पाकिस्तान, रूस और अल्जीरिया के अनुरोध पर ईरान पर आयोजित आपातकालीन सत्र में बोलते हुए रूसी दूत वसीली नेबेंजिया ने हमलों की निंदा की और कहा कि ईरानी, शांतिपूर्ण नागरिक परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाया जा रहा है, और इससे हम अदृश्य परमाणु आपदा में फंस सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा परिषद अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती और उसे स्थिति का निष्पक्ष मूल्यांकन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि परमाणु सुविधाओं को हमलों का निशाना नहीं बनाया जा सकता है और मांग की कि पश्चिमी यरुशलम ईरान पर हमले और छापे तुरंत बंद करे।

बिहार में विधवा, वृद्धा और दिव्यांग पेंशन में करीब तीन गुना की बढ़ोतरी

पटना (हि.स.)। बिहार की नीतीश सरकार ने राज्य विधानसभा चुनाव के पहले शनिवार को मास्टर स्ट्रोक चला है। उन्होंने राज्य के 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 वृद्धजन, महिलाएं और दिव्यांग लोगों के सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 कर दिया है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री नीतीश ने अपने एक्स हैंडल पर शनिवार को दी। उन्होंने इसकी घोषणा करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत विधवा महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को अब हर महीने 400 रुपए की जगह 1100 रु पेंशन मिलेगी। सभी लाभार्थियों को जुलाई महीने से पेंशन बढ़ी हुई दर पर मिलेगी। सभी लाभार्थियों के खाते में यह राशि महीने की 10 तारीख को भेजना सुनिश्चित किया जाएगा। इससे 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 लाभार्थियों को काफी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री नीतीश ने लिखा कि वृद्धजन समाज का अनमोल हिस्सा हैं और उनका सम्मानजनक जीवन-यापन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयत्नशील रहेगी। वर्ष 2022-23 के आंकड़ों के तहत पूरे प्रदेश में 42.60 लाख वृद्धों को इस योजना का फायदा मिल रहा था। 60 से 79 वर्ष के वृद्धों को प्रतिमाह 400 रुपए का पेंशन तथा 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों को 500 रुपए प्रति माह का पेंशन दिया जाता है। यह राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में अंतरित की जाती है। अब इसमें करीब तीन गुणा वृद्धि की गई है जिसके तहत 400 रुपए की जगह अब 1100 रुपए मिलेंगे।

जालंधर में महिला आईएएस के सुरक्षा कर्मी ने चलाई गोली

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के जालंधर में शनिवार सुबह पंजाब कैडर की एक महिला आईएएस अधिकारी के सुरक्षा कर्मी ने प्लाट को लेकर विवाद में गोली चला दी। इसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना के समय वह महिला अधिकारी के पति स्टीफन कलेर के पास था। प्लाट के मालिकों ने आरोप लगाया है कि उनके प्लाट पर कब्जा करने की कोशिश हुई। वह शनिवार को प्लाट में मिट्टी डलवाने के लिए वहां पर पहुंचे ही थे कि उक्त प्लाट के सामने रहने वाले स्टीफन अपने गनमैन के साथ बाहर आ गया।

पृष्ठ एक का शेष

ऐतिहासिक अंबुवासी मेला ...

नीलाचल फ्लाईओवर के दोनों छोर पर बस स्टॉप पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। उधर तीर्थयात्री अपने वाहन आदाबारी बस स्टैंड, बोरिपाड़ा फील्ड, एएसटीसी माछखोवा, सोनाराम हाई स्कूल मैदान में पार्किंग कर सकेंगे। उधर अधिकारियों ने नीलाचल फ्लाईओवर के नीचे के पूरे हिस्से को नो-पार्किंग जोन घोषित कर दिया है। वहीं पांडु पोर्ट रोड (आदाबारी तिनियाली से पांडु पोर्ट), बोरबाजार रोड (मालिगांव चारियाली से पांडु पोर्ट), भारलुमुख में लिफ्ट कॉरिडोर, डीजी रोड (शांतिपुर से नीलाचल फ्लाईओवर), नीलाचल फ्लाईओवर और सभी पहुंच मार्ग सड़क के किनारे में पार्किंग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। माल और वाणिज्यिक वाहनों पर प्रतिबंध: यातायात पुलिस ने निम्नलिखित सड़कों डीजी रोड, एमजी रोड, एटी रोड (जालुकबारी रोटरी से माछखोवा तक), पांडु पोर्ट रोड, बोरबाजार रोड पर सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक माल वाहक और धीमी गति से चलने वाले वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। लंबी दूरी की और अंतर-जिला बसें डीजी, एमजी या एटी रोड पर नहीं चलेंगी। कामाख्या रेलवे जंक्शन से तीर्थयात्री बसों को पीएनजीबी रोड-डीजी रोड-आदाबारी-पांडु पोर्ट रोड से होकर जाना होगा। निर्दिष्ट विश्राम शिविरों से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को नीलाचल फ्लाईओवर की सर्विस लेन का उपयोग करके यात्रा करनी होगी। वहीं एलजीबीआई हवाई अड्डे की ओर जाने वाले यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे पहले से योजना बनाएं और देरी से बचने के लिए एनएच-27 का उपयोग करें। गुवाहाटी यातायात पुलिस सभी निवासियों और तीर्थयात्रियों से आग्रह करती है कि वे सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने, भीड़भाड़ को कम करने और अंबुवासी महायोग के दौरान आपातकालीन सेवाओं के लिए निर्बाध आवाजाही की अनुमति देने के लिए इन दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करें।

पिछले पांच सालों ...

एक शांतिपूर्ण क्षेत्र में बदल दिया है। बोड़ो और गैर-बोड़ो दोनों क्षेत्रों में सड़कें बनाई गई हैं। बोड़ो और गैर-बोड़ो दोनों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए गए हैं। लोग अब खुद को बीटीआर और असम के निवासी के रूप में पहचानते हैं। अपनी आउटरीच पहल के एक भाग के रूप में, शर्मा ने घोषणा की कि वह जुलाई में बीटीआर में लगातार पांच दिन बिताएंगे, ताकि निवासियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर सकें और उनकी चिंताओं का समाधान कर सकें। उन्होंने कहा कि मैं 1 से 5 जुलाई तक बीटीआर में रहूंगा। 1 जुलाई उदालगुड़ी, 2 जुलाई तामुलपुर, 3 जुलाई बाक्सा, 4 जुलाई चिरांग और 5 जुलाई को कोकराझाड़ में रहूंगा। मेरा मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर पात्र महिला को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। मैं लोगों की शिकायतें भी सुनना चाहता हूं और उनका समाधान करना चाहता हूं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि अब आगे बढ़ने का समय है। मैं चाहता हूं कि बोड़ोलैंड राज्य के बाकी हिस्सों के साथ सद्भाव में आगे बढ़े और साथ मिलकर एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करे। वहीं मुख्यमंत्री ने शनिवार को चिरांग जिले के काजलगांव में नवनिर्मित जिला जेल का उद्घाटन किया। इस जेल को आधिकारिक तौर पर पूर्वोत्तर भारत की पहली पूर्णत: आधुनिक सुधारात्मक सुविधा के रूप में मान्यता दी गई है। जेल के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सुधारात्मक सुविधाओं के आधुनिकीकरण और उन्हें कैदियों की देखभाल और पुनर्वास के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक जेल नहीं है, बल्कि बदलाव का केंद्र है। दरअसल, पुनर्वास और मानवीय कारावास पर ध्यान केंद्रित करके बनाया गया यह अत्याधुनिक जेल परिसर असम की जेल बुनियादी ढांचे में एक नए युग की शुरुआत है। जेल में उन्नत सुविधाएं और समावेशी प्रणालियां हैं। यह 636 कैदियों को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जिसमें विचाराधीन कैदी और दोषी आरोपितों को रखने की व्यवस्था है। क्षेत्र की पारंपरिक जेलों से अलग, चिरांग जिला जेल में समर्पित क्वारंटिन क्षेत्र शामिल हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन किया जाए। इसके बुनियादी ढांचे को दंडात्मक दृष्टिकोण के बजाय सुधारात्मक दृष्टिकोण के साथ विकसित किया गया है। इस परिसर में पुरुष और महिला कैदियों के लिए अलग-अलग आधुनिक चिकित्सा इकाइयां, शैक्षिक और कौशल विकास करने के लिए कक्षा स्थान और एक अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय भी है। इन सभी का उद्देश्य सुधार, आत्म-सुधार और समाज में पुन: एकीकरण को बढ़ावा देना है।

सोनम और राज ...

को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। इससे पहले सोनम और राज को आज शिलांग कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान पुलिस की ओर से दोनों आरोपियों की रिमांड की मांग नहीं की गई, जिसके चलते कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सहायक लोक अभियोजक तुषार चंद ने इसकी जानकारी दी है। इससे पहले, 19 जून, गुरुवार को हत्याकांड में शामिल सभी पांचों आरोपियों को रिमांड पूरी होने के बाद कोर्ट में पेश किया गया था। इस दौरान कोर्ट ने सोनम और राज की रिमांड दो दिन के लिए बढ़ाई थी और तीन अन्य आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने के आदेश दिए थे। रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद आज सोनम और राज को कोर्ट में पेश किया गया था। उल्लेखनीय है कि मेघालय में हनीमून मनाने गए राजा रघुवंशी की 23 मई को साजिशन हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में शामिल होने के आरोप में उनकी पत्नी सोनम, राज कुशवाह और राज के तीन दोस्तों, विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को गिरफ्तार किया गया। राजा रघुवंशी 23 मई को मेघालय में हनीमून के दौरान लापता हो गए थे। उनका क्षत-विक्षत शव 2 जून को पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा क्षेत्र (जिसे चेरापूंजी भी कहा जाता है) में एक झरने के पास गहरी खाई में मिला था।

बिहार : शाह के सीएम फेस वाले बयान पर जेडीयू ने का पलटवार, कहा-

हमारी बिल्ली हमी से म्याऊं...

बिहार की राजनीति में एक बार फिर से हलचल मच गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। शाह ने संकेत दिया कि बिहार में एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा विधानसभा चुनाव के बाद तय होगा। इस बयान ने जहां भाजपा और जेडीयू के बीच तनाव की अटकलों को हवा दी, वहीं जेडीयू ने साफ कर दिया कि नीतीश कुमार ही बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे और इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होगा। हाल ही में एक इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह समय तय करेगा। लेकिन यह साफ है कि हम यह चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ेंगे। उनके इस बयान को कुछ लोग भाजपा की ओर से नीतीश कुमार को हटाने की रणनीति के तौर पर देख रहे हैं। बिहार में पहले से ही यह चर्चा जोरों पर थी कि भाजपा अपनी मजबूत स्थिति के बाद मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोक सकती है। अमित शाह के बयान पर जेडीयू ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। जेडीयू एमएलसी गुलाम गौस ने कहा कि *हमारी बिल्ली हमी से म्याऊं।* भाजपा को यह नहीं भूलना चाहिए कि केंद्र में उनकी सरकार हमारी पार्टी के समर्थन पर ही टिकी है। नीतीश कुमार ही बिहार के मुख्यमंत्री होंगे, इस पर कोई समझौता नहीं होगा। गौस ने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि गठबंधन की मजबूती के लिए एकजुटता जरूरी है। वहीं जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने भी साफ शब्दों में कहा कि नीतीश कुमार ही एनडीए के चेहरा हैं और रहेंगे। बिहार की जनता ने उनके विकास कार्यों को देखा है। इसमें किसी को कोई शंका नहीं होनी चाहिए। नीरज ने नीतीश के नेतृत्व में बिहार में हुए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि जनता का भरोसा नीतीश पर ही है। अमित शाह के बयान के बाद विपक्ष ने भी मौके का फायदा उठाया। बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रेमचंद मिश्रा ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि अमित शाह ने खुलासा कर दिया कि भाजपा नीतीश को सिर्फ चुनाव तक इस्तेमाल करेगी। बाद में उन्हें हटाने की योजना है।

No. BDB/Tender/46/2023-24/ 5362 *Dtd. 20/6/25*

SHORT NOTICE INVITING TENDER.

Sealed tender affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs.8.25(Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 days which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractors of class-I (A,B & C),Class-II & Class III category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC according to their eligibility for submitting tenders for the works under Sports & Youth Welfare Dept.(SOPD-G) BTR Kokrajhar during the financial year 2025-26 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 2.00PM on 1/7/25 and will be opened on the next date (as on 2/7/25 & place at 2.30 PM.)

Sl. no	Name of activity.	Estd.Value (in Lakhs)	Tender Value	EMD/Bid Security. (in Rs)	Cost of Tender paper (in Rs.)	Time of completion of Work.
1.	"Land Dev. with Const. of Iron Goal Post at No.2 Amguri Village Playground under Nagachuba VCDC".	10,00,000/-	10,00,000/-	1 % for ST/SC/OBC 28,476/- 2 % (for GEN	300	6 month
2.	"Const. of Club House for Khasiachuba Fwilachem Afat under Khasiachuba VCDC , Udalguri District."	9,00,000/-	9,00,000/-	1 % for ST/SC/OBC 28,476/- 2 % (for GEN	270	6 month

Pre-bid Date & Time : On **24/06/2025 10:30 A.M.**
Last Date & Time of Bid submission : Upto **01/07/2025 02:00 P.M.**
Date & Time of Bid Opening : On **02/07/2025 02:30 P.M.**

Detail N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 24/6/25 to 2/7/25 up to 1.30 PM. In the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/bankers cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the Principal Secretary ,BTC Kokrajhar payable at Kokrajhar.

Sd/-Block Dev. officer
Block Development Officer,
Bhergaon

IPR(BTC)/C/2025-26/1043

डॉ. हेडगेवार की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने अर्पित की श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक और महान क्रांतिकारी डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में लिखा- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक एवं महान क्रांतिकारी डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन। राष्ट्र को समर्पित उनके विचार आज भी संघ की चेतना और करोड़ों स्वयंसेवकों की प्रेरणा हैं। मुख्यमंत्री के इस श्रद्धांजलि संदेश को व्यापक रूप से साझा किया जा रहा है, जिसमें उन्होंने हेडगेवार जी के राष्ट्र के प्रति समर्पण और उनके विचारों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

एपीएससी भर्ती घोटाला : हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देगी असम सरकार

बाक्सा (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) की भर्ती प्रक्रिया में हुए बहुचर्चित घोटाले में बर्खास्त किए गए 52 अधिकारियों को सेवा में पुन: बहाल करने के गौहाटी उच्च न्यायालय के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। बाक्सा में योग दिवस कार्यक्रम के मौके पर संवाददाताओं से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने उच्च न्यायालय के इस फैसले को पीड़ादायक और निराशाजनक बताया, खासकर ऐसे समय में जब राज्य सरकार भर्ती प्रक्रियाओं में योग्यता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है। दरअसल, शुक्रवार को गौहाटी हाईकोर्ट ने 2013-2014 बैच के 57 में से 52 अधिकारियों को बहाल करने का निर्देश दिया था। ये अधिकारी प्रशासनिक, पुलिस और अन्य सेवाओं में कार्यरत थे और भर्ती घोटाले के खुलासे के बाद बर्खास्त कर दिए गए थे। अदालत ने कहा है कि जिन अधिकारियों ने अपना प्रोबेशन पूरा कर लिया है, उन्हें 50 दिनों के भीतर बहाल किया जाए। हालांकि सरकार को पहले 30 दिनों तक उन्हें कोई जिम्मेदारी न सौंपने और विभागीय कार्रवाई शुरू करने की छूट भी दी गई है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने

कहा कि यदि मीडिया में जो विवरण सामने आया है, वह सही है, तो यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। हम आखिरी दम तक यह सुनिश्चित करने की लड़ाई लड़ेंगे कि जो लोग बेईमानी से व्यवस्था में घुसे हैं, वे वापस न लौटें। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में सामने आए इस बहुचर्चित घोटाले में पूर्व असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) अध्यक्ष राकेश कुमार पॉल समेत 70 से अधिक लोग गिरफ्तार किए गए थे। इसमें वे 57 अधिकारी भी शामिल थे, जिन्हें राज्य सरकार ने बाद में सेवा से हटा दिया था। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि उनकी सरकार पारदर्शिता और योग्यता के सिद्धांत पर अडिग है और केवल वे लोग जो ईमानदारी से चयनित हुए हैं, उन्हें ही प्रशासन का हिस्सा बनने का अधिकार है।

असम में ओएनजीसी गैस रिसाव नियंत्रण की दिशा में बड़े कदम, प्रयासों को अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों की स्वीकृति

शिवसागर (हिंस)। असम के रुद्रसागर तेल क्षेत्र स्थित बारिचुक में ओएनजीसी के कुएं आरडीएस 147ए से हुई गैस ब्लोआउट की घटना को नियंत्रण में लाने की दिशा में कंपनी ने *महत्वपूर्ण प्रगति* का दावा किया है। 12 जून को शुरू हुई इस आपात स्थिति के बाद अब गैस के बहाव में स्पष्ट कमी दर्ज की गई है। ओएनजीसी के अनुसार, यह कुआं निजी ठेकेदार एसके पेट्रो सर्विसेज द्वारा संचालित है। राहत कार्यों की समीक्षा के लिए अमेरिका की कंपनी सीयूडीडी प्रेशर कंट्रोल के विशेषज्ञों की एक टीम मौके पर पहुंची, जिन्होंने अब तक उठाए गए कदमों पर संतोष व्यक्त किया और ओएनजीसी की रणनीति को सही ठहराया। अगले चरण की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ट्यूबुलर हटाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है और रिंग फ्लोर से मलबा हटाने के लिए क्रेनों की तैनाती की जा रही है। आग के जोखिम को कम करने के लिए पानी का छिड़काव जारी है तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु गैस की रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। कुएं के निकट बह रही दिखौ नदी के जलस्तर पर निगरानी रखी जा रही है। विस्थापित ग्रामीणों के लिए राहत शिविरों में भोजन, चिकित्सा और सुरक्षा की व्यवस्थाएं की गई हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने लिंक्डइन पर एक अपडेट में बताया कि कुएं में गैस का दबाव 2600 पीएसआई से घटकर 500 पीएसआई रह गया है, जो राहत का संकेत है। उन्होंने कहा कि जंक शॉट ऑपरेशन और किल फ्लूइड पंपिंग के जरिए हालात को नियंत्रित किया जा रहा है। यदि आवश्यक हुआ तो वेल कैपिंग की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। पुरी ने यह भी स्पष्ट किया कि गैस में 97 फीसदी मीथेन है, जो सतह पर न जमते हुए वायुमंडल में फैल रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कुएं से 100 मीटर के दायरे तक वायु गुणवत्ता सुरक्षित स्तर पर है। हालांकि, ओएनजीसी ने अभी किसी निश्चित समयसीमा की घोषणा नहीं की है, लेकिन ताजा गतिविधियों और विशेषज्ञों की राय से यह स्पष्ट है कि संकट पर काबू पाने की दिशा में ठोस प्रगति हो रही है। इस घटना ने शिवसागर और आसपास के क्षेत्रों में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है।

विश्व संगीत दिवस पर शुभकामनाएं असम की संगीत परंपरा समृद्ध : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि संगीत-साधना का नाम, जीवन की आत्मा। संगीत-जो सुर और शब्दों से दिलों को जीत ले, ऐसी कला का नाम। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर असम की समृद्ध संगीत परंपरा को नमन करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम की विविध संगीत शैलियों का उल्लेख किया-महापुरुषों द्वारा रचित बरगीत से लेकर लोकगीत, बिहूगीत, टोकारी गीत, बनगीत, बियानाम, निचुकनी गीत तक, जो राज्य की सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संगीत की इस विविधता को और बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने *कंसर्ट टूरिज्म नीति* को भी मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के युग से लेकर आज के जुबिन और पापोन तक, संगीत असम की संस्कृति की आत्मा रही है। इस खास दिन पर उन्होंने सभी कलाकारों, संगीतप्रेमियों और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

तेज रफ्तार कार दुर्घटनाग्रस्त तीन व्यक्ति घायल

बजाली (हिंस)। बजाली जिले के पाटाचारकुची इलाके में तेज रफ्तार कार के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की वजह से कार में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि शनिवार को नगांव से बरपेटा की ओर जा रही तेज रफ्तार टाटा सफारी कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से जा टकरायी। जिसकी वजह से कर में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पड़पड़गंज ने लखीमपुर और गुवाहाटी में लीवर ट्रांसप्लांट ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की

लखीमपुर/गुवाहाटी। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज ने आज नॉर्थ लखीमपुर स्थित डॉ. दास मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, और गुवाहाटी स्वागत सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, में अपनी समर्पित लीवर ट्रांसप्लांट ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की। इन ओपीडी सेवाओं का शुभारंभ मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज के लीवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी विभाग के कंसलटेंट डॉ. विकास मुंद तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ। डॉ. विकास हर महीने दोनों स्थानों पर लगातार दो दिनों तक मरीजों को परामर्श देंगे। नव आरंभ की गई लीवर ट्रांसप्लांट ओपीडी सेवाओं के माध्यम से मरीजों को विश्वस्तरीय चिकित्सा विशेषज्ञता सुलभ होगी, जिसमें लीवर रोगों का मूल्यांकन, प्रबंधन और ट्रांसप्लांट के बाद की संपूर्ण देखभाल शामिल है। इस अवसर पर मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज के लीवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी विभाग के कंसलटेंट डॉ. विकास मुंद ने कहा कि हमें लखीमपुर और गुवाहाटी में अपनी विशिष्ट लीवर ट्रांसप्लांट ओपीडी सेवाएं शुरू करते हुए खुशी हो रही है। इस नई ओपीडी से क्षेत्र के मरीजों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श मिल सकेगा और उन्हें बार-बार बड़े शहरों में यात्रा करने की आवश्यकता कम होगी। हमारा उद्देश्य है कि हम जरूरतमंद मरीजों को विशेषज्ञ देखभाल और उन्नत उपचार विकल्प उनके घर के नजदीक ही उपलब्ध कराएं। यह ओपीडी अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक टूल्स और उपचार सुविधाओं से सुसज्जित होगी ताकि मरीजों को सर्वोच्च स्तर की चिकित्सा सेवा मिल सके। यह ओपीडी उन मरीजों के लिए भी एक महत्वपूर्ण कड़ी बनेगी जिन्हें उन्नत लीवर ट्रांसप्लांट मूल्यांकन, ऑपरेशन के बाद की देखभाल और दीर्घकालिक लिवर रोग प्रबंधन की आवश्यकता है। डॉ. विकास ने आगे कहा कि हमारी ओपीडी सेवाओं को इस तरह से तैयार किया गया है कि यहां रोग की रोकथाम से लेकर जटिल शल्य चिकित्सा हस्तक्षेप तक सभी प्रकार की व्यापक देखभाल एक ही छत के नीचे प्रदान की जा सके।

राज्यभर में विभिन्न संगठनों व सेनाओं ने किया 11वां अंतर्राष्ट्रीय दिवस का आयोजन

गुवाहाटी/कोकराझाड़/विश्वनाथ/नगांव (विभास)। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तहत केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), गुवाहाटी ने योग, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने वाली उत्साही गतिविधियों की एक श्रृंखला के साथ 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 मनाया गया। दिनांक 7 जून से 21 जून, 2025 तक आयोजित कार्यक्रमों का समापन एक भव्य योग सत्र में समापन हुआ, जो विविध समुदायों में समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है। 15 दिवसीय कार्यक्रम की एक प्रमुख आकर्षणीय कार्यक्रम के रूप में मीडिया के लिए आयोजित की गई एक योग कार्यशाला था, जो योग समावेश पहल के अंतर्गत और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक, गुवाहाटी के साथ आयोजित किया गया था। मीडिया पेशेवरों के उच्च दबाव वाले जीवन के अनुरूप, योग सत्र में तनाव को कम करने, फोकस को तेज करने, व्यस्त कार्यक्रम, हेक्टिक शेड्यूल और टाइट डेडलाइन के बीच लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए योग की शक्ति का प्रदर्शन किया गया। स्थायी स्वास्थ्य और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिभागियों को औषधीय पौधे भी वितरित किए गए। इसके अलावा सीएआरआई ने गुवाहाटी के स्कूलों में स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों के माध्यम से अपनी पहुंच बढ़ाई, छात्रों को शारीरिक और मानसिक कल्याण के लिए योग और आयुर्वेद के लाभों से परिचित करवाए। युवाओं के बीच स्वस्थ जागरूकता का विकास करना ही इन शिविरों का उद्देश्य था, जिससे भविष्य की संतुलित पीढ़ी का मार्ग प्रशस्त हो। संस्थान ने अपने ओपीए में नियमित योग जागरूकता व्याख्यान आयोजित किए, जिसमें रोगियों और आगंतुकों को योग और आयुर्वेद के संयोजन से स्वास्थ्य, सुधार और चिकित्सा उपचार में सहयता के बारे में बतया गया। साथ ही, हरित योग पहल के अंतर्गत सीएआरआई ने वृक्षारोपण अभियान और पौधों का वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया, जिससे पर्यावरणीय स्थिरता, स्वास्थ्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य के प्रति लोगों की प्रतिबद्धता मजबूत हो। और 11 वां अंतराष्ट्रीय योग दिवस दिनांक 21 जून, 2025 को संस्थान में एक जीवंत योग सत्र के साथ समापन हुआ। जिसमें लगभग 100 लोग शामिल हुए , जिनमें कर्मचारी, स्थानीय निवासी और योगप्रेमी शामिल थे। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में इस सत्र ने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण के लिए योग के लाभों को प्रदर्शित किया। संस्थान के प्रभारी डॉ. पी.एल भारती (अनुसंधान अधिकारी) ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महत्व पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान देते हुए कहा कि योग मानवता के लिए एक अमूल्य उपहार है, जो शरीर, मन और आत्मा को एकजुट करता है। मैं आशा करता हूं कि 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के परिवर्तनकारी शक्ति अराजकता के बीच शांति लाने के लिए काम करेंगे। विशेष रूप से मीडिया जैसे उच्च तनाव वाले वृत्ति में सामुदायिक योग सत्रों से लेकर वृक्षारोपण तक हमारी पहल, समग्र स्वास्थ्य और पर्यावरण स्थिरता के प्रति हमारे संस्थान के प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस योग समारोह को सफल बनाने के लिए मैं सभी अधिकारियों, प्रतिभागियों और योग से जुड़े हुए सभी समुदाय के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं। आयुर्वेदिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने और योग को एक स्वस्थ, संतुलित समाज की आधारशिला के तहत बढ़ावा देने के लिए सीएआरआई हमेशा समर्पित है। **कोकराझाड़** से कोकराझाड़ जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कोकराझाड़ जिला खेल संघ में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ मनाया गया। इस वर्ष का उत्सव मुख्य विषय *एक पृथ्वी के लिए योग, एक स्वास्थ्य के लिए* पर केंद्रित था। अपने संबोधन में, राज्यसभा सांसद रवंग्वरा नारज़ारी ने जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और उत्सव का हिस्सा बनने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। *एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य* के दर्शन पर जोर देते हुए, उन्होंने एक स्वस्थ और अधिक सामंजस्यपूर्ण समाज के पोषण में योग की भूमिका पर प्रकाश डाला। *अच्छे स्वास्थ्य से परे कुछ भी नहीं है। जब स्वास्थ्य अच्छा होता है, तो बाकी सब कुछ अच्छा हो जाता है,* उन्होंने टिप्पणी की। इससे पहले, अपने स्वागत भाषण में, एडीसी कबिता डेका ने योग को एक जीवनशैली अभ्यास के रूप में रेखांकित किया जो एकता, संतुलन और कल्याण को बढ़ावा देता है। राष्ट्रव्यापी समारोह के हिस्से के रूप में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आंध्र प्रदेश से मेगा योग दिवस कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था की गई थी। इसके बाद एक प्रमाणित प्रशिक्षक के नेतृत्व में सामूहिक योग प्रदर्शन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने एक साथ कॉमन योग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में कोकराझाड़ डीसी श्रीमती मसंदा एम. पर्टिन, आईएएस; एडीसी शुभ्रम आदित्य बोरा; अधिकारी; गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि; छात्र; और आम जनता सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर की भावना को और बढ़ाते हुए, जिला स्तरीय योग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उनके समर्पण और अनुशासन को मान्यता देते हुए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कोकराझाड़ के राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेताओं को भी उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों और जिले के लिए उनके द्वारा लाए गए गौरव का सम्मान करते हुए सम्मानित किया गया। वहीं कोकराझाड़ जिले के कोकराझाड़ मारवाड़ी सेवसादन (युवामंच) के भवन में आज मारवाड़ी सम्मलेन कोकराझाड़ शाखा का शपथ बिधि सामारोह का आयोजन किया गया। इस सभा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेश हरलालका प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) बिनोद लोहिया, प्रांतीय सयुक्त मंत्री बीरेन अग्रवाल उपस्थित थे। इस सभा की अध्ययता किशनलाल नहता ने किया साथ ही मंच का संचालन राहुल शर्मा ने किया। इस सभा में मारवाड़ी सम्मलेन कोकराझाड़ शाखा मनोनीत अध्यक्ष सुनील अंचलिया मंत्री गौतम भूरा सहित अन्य लोगो ने सपत ग्रहण किया। इस सभा में उपस्थित अतिथियों ने अपना अपना भाषण रखा। वहीं इस कार्यक्रम में बंगाईगांव शाखा के अध्यक्ष अनिल सुरेना, सचिव राज कुमार कोटारी, बंगाईगांव महिला शाखा के अध्यक्ष मंजू देबी दुगर, गोसाईगांव शाखा के अध्यक्ष सत्यनारायण जी सचिव कालूराम उपस्थित थे। इसके साथ ही कोकराझाड़ के मारवाड़ी युवा मंच, जागृति शाखा और पंचायत समिति के साथ साथ अन्य भी मारवाड़ी समिति के सदस्य उपस्थित थे। **गुवाहाटी** से हमारी संवाददाता के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में माहेश्वरी सभा गुवाहाटी की योग इकाई महेश योग समिति के तत्वाधान में माहेश्वरी महिला समिति, मारवाड़ी युवा मंच समृद्धि शाखा, सामाजिक राष्ट्रीय विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में योग दिवस का पालन किया गया। जिसमें विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी से प्रशिक्षित योगाचार्य ताराचंद ठोलिया ने उपस्थित साधक व साधिकाओं को योग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके पश्चात 45 मिनट तक आयुष मंगलाय द्वारा अनुमोदित योग प्रोटोकॉल के तहत योग की क्रियाएं करवाई गई। इसमें महेश योग समिति के सहयोग आचार्य अनीता अग्रवाल, सुशीला अग्रवाल ने योग क्रियो की प्रस्तुति दी। 90 से अधिक साधक साधिकाओ ने इस शिविर में भाग लिया। महेश योग समिति के महा आचार्य मदन मोहन मल्ल ने योग और हम पर विस्तृत प्रकाश डाला। तत्पश्चात सामाजिक राष्ट्रीय विकास समिति, मारवाड़ी युवा मंच समृद्धि शाखा द्वारा योगाचार्य मदन मोहन मल्ल, शंकर बिल, कुंज बिहारी काबरा, महेश योग समिति के संयोजक लूणकरण मुंदड़ा, अनीता अग्रवाल, सुशीला अग्रवाल, सरस्वती देवी और हास्य योग सम्राट सुशील किल्ला का फूलाम गमछा से अभिनंदन किया। **विश्वनाथ** से हमारे संवाददाता के अनुसार आज 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के अवसर पर, असम राइफल्स लोकरा, ने कामेंग नदी के सुरम्य तट पर सामूहिक योग प्रदर्शन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सैनिकों की ओर से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो स्वास्थ्य और अनुशासन की भावना को दर्शाता है। 6 अधिकारियों, 13 जेसीओ, 120 ओआर और 13 परिवारों सहित कुल 152 कर्मियों ने सत्र में भाग लिया, और एक स्वस्थ जीवन शैली के प्रति एकता, जागरूकता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। नदी के किनारे की शांत सेटिंग ने इस आयोजन के सार को और बढ़ा दिया, जिससे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 का सफल उत्सव मनाया जा सका। **नगांव** से हमारे संवाददाता के अनुसार ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मारवाड़ी युवा मंच, नगांव समृद्धि शाखा द्वारा एक भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति भवन, हैबरगाँव में प्रात: 6:45 बजे से आयोजित हुआ। इस योग शिविर का मुख्य उद्देश्य जनमानस में योग के प्रति जागरूकता फैलाना तथा शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक स्वास्थ्य की ओर समाज को प्रेरित करना था। कार्यक्रम में *करें योग, रहें निरोग* एवं योगा फार वन अर्थ वन हेल्थ जैसे संदेशों को आधार बनाकर सहभागिता सुनिश्चित की गई। इस अवसर पर अगवाल सभा, नगांव, मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा, अगवाल महिला समिति, अगवाल युवा परिषद, नागांव राजस्थानी युवक संघ, मारवाड़ी युवा मंच (नगांव एवं समृद्धि शाखा), मारवाड़ी सेवा मंच (शंकर शाखा), जेसीआई नगांव कई सामाजिक संस्थाओं ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्रोच्चार एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात योग विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न योग आसनों एवं प्राणायाम की विधियां सिखाई गईं। बड़ी संख्या में नगरवासियों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग अभ्यास सत्र के बाद स्वास्थ्य लाभ, नियमित योग करने के फायदे एवं जीवनशैली में योग के महत्व पर चर्चा की गई। अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए जलपान की व्यवस्था की गई। यह आयोजन पूर्णत: सफल एवं प्रेरणादायक रहा। इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित करने हेतु मंच प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

सेहत का बॉन्ड

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि पंजाब के सरकारी अस्पताल मरीजों के बढ़ते बोझ से चरमरा रहे हैं। समाज के गरीब व निम्न मध्यमवर्गीय मरीजों के उपचार की अंतिम शरण स्थली ही होते हैं सरकारी अस्पताल। विडंबना यह है कि सरकारी अस्पताल खुद ही डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे हैं। आंकड़ों की बात करें तो सरकारी अस्पतालों के लिये स्वीकृत पदों में आधे पद फिलहाल खाली है। नई पीढ़ी के डॉक्टर मरीजों के दबाव व आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के अभाव के चलते सरकारी अस्पतालों को कार्यस्थली बनाने से गुरेज करते रहे हैं। निस्संदेह, निजी क्षेत्र में मोटी तनख्वाह व सुविधाएं उन्हें आकर्षित करती हैं। इधर विदेशों का मोह भी उन्हें खूब लुभाता है। यही वजह है कि ग्रामीण ही नहीं, शहरी सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की तो ज्यादा ही कमी है। इस समस्या से निबटने के लिये पंजाब सरकार इस सत्र से एमबीबीएस और बीडीएस के छात्रों के लिए बॉन्ड नीति लेकर आई है।

विडंबना यह है कि सरकारी अस्पताल खुद ही डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे हैं। आंकड़ों की बात करें तो सरकारी अस्पतालों के लिये स्वीकृत पदों में आधे पद फिलहाल खाली है। नई पीढ़ी के डॉक्टर मरीजों के दबाव व आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के अभाव के चलते सरकारी अस्पतालों को कार्यस्थली बनाने से गुरेज करते रहे हैं। निस्संदेह, निजी क्षेत्र में मोटी तनख्वाह व सुविधाएं उन्हें आकर्षित करती हैं। इधर विदेशों का मोह भी उन्हें खूब लुभाता है। यही वजह है कि ग्रामीण ही नहीं, शहरी सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की तो ज्यादा ही कमी है। इस समस्या से निबटने के लिये पंजाब सरकार इस सत्र से एमबीबीएस और बीडीएस के छात्रों के लिए बॉन्ड नीति लेकर आई है।

निश्चय ही सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में डॉक्टरों की पुरानी कमी से निपटने के लिये एक ऐसा साहसिक कदम उठाना बेहद जरूरी था। नये नियमों के तहत, राज्य सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों से स्नातक करने वाले डॉक्टरों को दो साल के लिये अनिवार्य रूप से सरकारी स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में सेवा करनी होगी। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो बीस लाख रुपये की बॉन्ड राशि का भुगतान करना होगा। वहीं अखिल भारतीय कोटे के तहत स्नातकों को अनिवार्य रूप से एक साल की सेवा सरकारी स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में देनी होगी। हालांकि, यह नीति बाध्यकारी है, लेकिन यह सुनिश्चित करने का एक जिम्मेदार प्रयास है कि राज्य चिकित्सा शिक्षा में निवेश का कुछ लाभ राज्य के लोगों को भी मिलना चाहिए। यह तार्किक बात है कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों को राज्य सरकार भारी सब्सिडी भी देती है। दूसरे शब्दों में कहें तो राज्य के मेडिकल कॉलेजों की सीटों के लिये करदाताओं द्वारा एक अंशदान दिया जाता है। यह उचित होगा कि छात्र स्नातक होने के बाद समाज में कुछ योगदान जरूर दें। यह इसलिये भी जरूरी है कि राज्य के सरकारों अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति बहुत अधिक विकट है क्योंकि आमतौर डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने से कतराते हैं। बताया जाता है कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में स्वीकृत डॉक्टरों के 3,847 पदों में पचास फीसदी पद रिक्त हैं। सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सकों के न होने का खमियाजा मरीजों को चिकित्सा सुविधाओं के अभाव के रूप में भुगतना पड़ता है। उन्हें मजबूरी में निजी अस्पतालों के महंगे उपचार लेने के लिये बाध्य होना पड़ता है। वर्षों से यह ट्रेंड चला आ रहा है कि डॉक्टर निजी प्रैक्टिस या विदेशों में बेहतर अवसरों की तलाश में सार्वजनिक चिकित्सा सेवा से किनारा करते रहे हैं। जिसके चलते शहरी-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के बीच में एक बड़ा अंतर पैदा हो गया है। निश्चित रूप से बॉन्ड नीति इस असंतुलन को दूर करने की दिशा में प्रयास करेगी। इसके साथ ही कतिपय छात्र समूहों का बॉन्ड नीति का विरोध भी समझ में आता है। लेकिन बॉन्ड नीति को खत्म करने की बजाय उनकी चिंता बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनाए जाने के लिये हो। साथ ही कैरियर प्रगति के बेहतर अवसरों के मुद्दों को भी संबोधित किए जाने की जरूरत है। निस्संदेह, एक साल या दो साल का अनिवार्य कार्यकाल एक उचित मांग है, खासकर जब यह कदम सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूती दे सके। वैसे पंजाब सरकार की बॉन्ड नीति कोई नई बात नहीं है। पहले ही कई केंद्रीय संस्थानों और अन्य राज्यों में इसी तरह के मॉडल काम कर रहे हैं। पंजाब को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस नीति का प्रभावी क्रियान्वयन हो। समय पर नियुक्तियां हों और युवा स्नातकों को पर्याप्त प्रोत्साहन मिले। निस्संदेह, स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिये और अधिक देरी नहीं की जा सकती। निस्संदेह, यह बॉन्ड रूपी बंधन शिक्षा और समाज सेवा के बीच एक सेतु का काम करेगा। भगवान का दूसरा रूप कहे जाने वाली चिकित्सा बिरादरी को भी इस भरोसे को कायम रखना होगा।

ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए

ईरान-इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

ललित गर्ग

ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है? इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है।

इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है? इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमाम, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है। जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति

दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा।दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पूतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिये अकेली उम्मीद की किरण है, हालांकि यूरोपीय संघ को और विशेषतः चीन कुछ हद तक यह अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन युद्ध के अंधेरों एवं शांति के उजालों के लिये यही एक रास्ता है।ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चलकर इसमें अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हो सकती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया पहले ही दो खेमों में बंटी दिख रही है। ईरान ऐसी जगह पर हैं, जहां से वह बहुत सीमित संसाधनों के साथ समुद्र से होने वाले वैश्विक व्यापार को बाधित कर सकता है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन चरमरा सकती है, विश्व व्यापार ठप्प हो सकता है और विश्व में तेल आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है। इजरायल ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। खासकर उसे लगता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो उसके लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। यह खतरा इजरायल के साथ अन्य देशों के लिये भी होगा। इसलिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि हम ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे। जो आपरेशन शुरु किया है, उसे लक्ष्य हासिल होने तक जारी रखेंगे। ईरान का परमाणु शक्ति बनना एक बड़ा खतरा है, इस बड़े खतरे को समाप्त करना ही ऑपरेशन राइजिंग लायन का लक्ष्य है। इसी समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आना भी इजरायल के बेहतर मौका लेकर आया और यहां अमेरिका का समर्थन अहम हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कहा है कि ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव को बार-बार खारिज किया है। बहरहाल, इस घटनाक्रम से मध्यपूर्व में इजरायल-ईरान के बीच सीधे युद्ध की आशंका बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि इजरायल और हमास, हिजबुल्ला व हूती विद्रोहियों के बीच पहले से जारी संघर्ष से संवेदनशील बने इलाके में पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।इजरायल और ईरान के बीच सैन्य तनाव बढ़ने से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इसके जटिल परिणाम सामने आते हैं और सभी जीवन-निर्वाह की चीजों के दाम बढ़ जाते हैं। जिससे भारतीय रूपया कमजोर होने, मुद्रास्फीति बढ़ने और देश की वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ने का खतरा भी है। भारत अपनी जरूरतों का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है, ऐसी घटनाओं का महंगाई से लेकर व्यापार संतुलन, रोजगार से लेकर जीवन-निर्वाह तक के महत्वपूर्ण संकेतकों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष भारत के हितों को चोट पहुंचाने वाला है। आर्थिक हित के साथ दोनों देशों के साथ भारत के सामरिक तथा रणनीतिक हित भी जुड़े हुए हैं। भारत को संतुलित रवैया अपनाना होगा, क्योंकि ईरान हमारा पुराना मित्र है, जो कश्मीर मुद्दे को लेकर इस्लामिक देशों के संगठन तक भारत का साथ देता रहा है। इजरायल हमारा महत्वपूर्ण सामरिक एवं नवाचार साझेदार है। किसी के भी पक्ष में झुकाव दुविधा को ओर बढ़ायेगा।

देश दुनीया से

पीएम मोदी की साइप्रस यात्रा के मायने

यहां तक कि तुर्विए साइप्रस के समुद्री क्षेत्र में अपने जहाज भेजकर गैस खोजने की कोशिशें भी कर चुका है, जिससे साइप्रस, ग्रीस और यूरोपीय संघ के साथ उसका तनाव बढ़ने की खबरें भी आती रही हैं। दरअसल, तुर्विए का मानना है कि साइप्रस जैसे छोटे-से द्वीप को इतना बड़ा समुद्री क्षेत्र (ईईजेड) नहीं मिलना चाहिए। तुर्विए के ये तमाम प्रयास ईईजेड से संबद्ध अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ हैं। पीएम मोदी की साइप्रस यात्रा के मायने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस, कनाडा और व्रोएशिया की अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण यात्रा के पहले चरण में यूरोपीय संघ के सदस्य देश साइप्रस पहुंचे, जो भारत का पुराना मित्र भी है। राष्ट्रपति निकोस व्रिस्टोडुलाइड्स ने हवाई अड्डे पर पहुंचकर उनका जोरदार स्वागत किया। बाद में, उन्होंने पीएम मोदी को वहां के सर्वोच्च सम्मान से अलंवृत भी किया, जो भारत और साइप्रस के प्रगाढ़ होते संबंधों को दर्शाता है। पीएम मोदी की तीन देशों की इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य भारत के वैश्विक संबंधों को मजबूत करना, आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना तथा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की प्राथमिकताओं को लेकर वूटनीतिक प्रयासों को और तेज करना है। देखा जाए तो उपर्युत्त तीन देशों में भी साइप्रस का भारत के लिए अत्यंत विशेष महत्व है। हालांकि, अब तक हमने इस ओर कम ही ध्यान दिया है। तभी तो, लगभग 22 वर्षो के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने साइप्रस का आधिकारिक दौरा किया है। इससे पहले 1983 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने और 2002 में प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने रिपब्लिक ऑफ साइप्रस की आधिकारिक यात्रा की थी। बहरहाल, पीएम मोदी के साइप्रस दौरे से दोनों देशों के संबंधों में आईं मधुरता, एकजुटता और आपसी सहयोग की भावना आने वाले समय में तुर्विए की नींद हराम करने वाली साबित होगी, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। दरअसल, पीएम मोदी के इस दौरे का उद्देश्य केवल भारत और साइप्रस के बीच मित्रता को बढ़ाना नहीं, बल्कि भारत के खिलाफ विशेषकर कश्मीर के मुद्दे पर खुलकर बोलते रहने वाले एवं पाकिस्तान को सैन्य तथा वूटनीतिक समर्थन और सहयोग प्रदान करते रहने वाले साइप्रस के पड़ोसी तुर्विए को सख्त संदेश देना भी है कि भारत उसकी हरकतों का जवाब देना अच्छी तरह से जानता है। वहीं, भारत का साइप्रस के साथ खड़े होना तुर्विए के लिए साफ संदेश है कि भारत उसके खिलाफ उन देशों का समर्थन कर करता रहेगा, जो तुर्विए की आव्रामकता से परेशान हैं। तात्पर्य यह कि भारत ने तुर्विए की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। साथ ही, पीएम मोदी की इस यात्रा से यह उम्मीद भी जगी है कि यह दोनों देशों के बीच की मित्रता को और प्रगाढ़ करने के अलावा आपसी व्यापार, संस्वृति एवं रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने में भी प्रभावी साबित होगा। यह उम्मीद निराधार भी नहीं है, क्योंकि साइप्रस की भौगोलिक स्थिति इसे भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण बनाती है। बता दें कि यह भूमध्य सागर में तुर्विए के दक्षिण में, लेवांत (सीरियालेबनान- फिलिस्तीन-इजरायल) के पामि में और स्वेज नहर के निकट स्थित है। यानी साइप्रस यूरोप, एशिया और अप्रीका के बीच एक अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो भारत-मध्य-पूर्व-यूरोप कॉरिडोर (आइएमईसी) के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकता है। आइएमईसी एक ऐसा व्यापारिक कॉरिडोर अथवा रास्ता है, जो भारत को मध्य-पूर्व के रास्ते यूरोप से जोड़ सकता है। यदि साइप्रस को इस कॉरिडोर में शामिल कर लिया जाए तो न केवल व्यापारिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने, बल्कि तुर्विए की अनपेक्षित हेकड़ी को बंद करने में भी सफलता मिल सकती है। दरअसल, इसी उद्देश्य से भारत ने हाल के वर्षो में तुर्विए के तमाम विरोधी देशों, जिनमें ग्रीस, आम्रेनिया, मिरत्र और साइप्रस के साथ अपने संबंधों को मजबूती प्रदान करने के प्रयास किए हैं। इस ाम में ग्रीस, आम्रेनिया, और मिरत्र के साथ मित्रता एवं व्यापारिक तथा सामरिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से पीएम मोदी उन देशों के दौरे पहले ही कर चुके हैं। अब, उनकी यह साइप्रस यात्रा तुर्विए को चारों तरफ से घेरने के भारत के रणनीतिक अभियान का ही एक हिस्सा प्रतीत होती है। वैसे, भारत के लिए साइप्रस की मित्रता हमेशा से बेहद महत्वपूर्ण रही है। बता दें कि संकट काल में साइप्रस ने हमेशा भारत का साथ दिया है, चाहे 1998 में भारत के परमाणु परीक्षण के बाद का समय हो, जब हम दुनिया में अलग-थलग पड़ने लगे थे या 2008 में भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के समय अथवा संयुत्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने का मामला हो। इसके अतिरित्त, आतंकवाद और कश्मीर जैसे मुद्दों पर भी साइप्रस ने पाकिस्तान या तुर्विए के बजाए हमेशा भारत का साथ दिया है।

आप का नजरीया

हवा में मौजूद डीएनए में जीवन के सुराग

आयरलैंड की राजधानी डबलिन में किए गए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पौधों, जानवरों और सूक्ष्म जीवों की आनुवंशिक सामग्री को शहर के वातावरण में बहते हुए पाया। उन्होंने शहर की हवा में अवैध नशीली दवाओं के निशान भी खोजे। आसपास के वातावरण में मौजूद आनुवंशिक सामग्री को पर्यावरणीय डीएनए या एनवायरमेंटल डीएनए (ईडीएनए) कहा जाता है। हवा में मौजूद डीएनए में जीवन के सुराग छिपे हैं। नए शोध से पता चलता है कि हम जिस हवा में सांस लेते हैं, उसमें भी उस क्षेत्र में प्रजातियों का नक्शा बनाने, रोगजनकों को ट्रैक करने और मानव गतिविधि से उत्पन्न होने वाले रासायनिक संकेतों का पता लगाने के लिए पर्याप्त डीएनए होता है। इस अध्ययन के प्रोजेक्ट लीडर डेविड डफी की टीम ने यूएफ की विटनी लैबोरेटरी में लुप्तप्राय समुद्री कछुओं और वायरल कैंसर का अध्ययन करने के लिए पर्यावरणीय डीएनए का सफलतापूर्वक उपयोग किया है। उन्होंने रेत में कछुओं के ट्रैक्स से उपयोगी डीएनए निकाला है। वैज्ञानिकों को पता था कि मानव ईडीएनए उनके कछुओं के नमूनों में मिल सकता है और शायद कई अन्य स्थानों पर भी यह डीएनए मिल सकता है जहां उन्होंने सर्वे किया था। आधुनिक आनुवंशिक सीक्वेंसिंग तकनीक से पर्यावरण के नमूने में प्रत्येक जीव के डीएनए को क्रमबद्ध करना अब आसान हो गया है। रिसर्चरों की टीम को विटनी लैब के आसपास समुद्र और नदियों में, शहर के आसपास और मानव बस्ती से दूर के स्थानों तथा अलग-थलग समुद्र तटों से रेत में अच्छी क्वालिटी वाले मानव डीएनए मिले। अमेरिका की नेशनल पार्क सर्विस की मदद से किए गए एक परीक्षण में रिसर्चरों ने एक दूरस्थ द्वीप के उस हिस्से की यात्रा की जहां लोग कभी नहीं गए थे। यह स्थान मानव डीएनए से मुक्त था। लेकिन वे इस क्षेत्र में स्वैच्छिक प्रतिभागियों के पैरों के निशान से डीएनए निकालने में सफल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों की अनुमति से उनके जीनोम अथवा डीएनए समूह के कुछ हिस्सों को क्रमबद्ध भी किया। वैज्ञानिकों ने एक पशु चिकित्सालय से कमरे की हवा के नमूने भी एकत्र किए। इन नमूनों की मदद से वे कर्मचारियों, एक पशु रोगी और सामान्य पशु विषाणुओं से मेल खाने वाले डीएनए को अलग करने में सफल रहे। डफी ने कहा कि पर्यावरणीय डीएनए में उपलब्ध जानकारी के स्तर को देखते हुए हमने इस बात पर विचार शुरू कर दिया है कि मनुष्यों, वन्यजीवों और अन्य प्रजातियों में इसके संभावित अनुप्रयोग क्या हो सकते हैं। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय की विटनी लैब ने हवा सहित लगभग हर वातावरण से डीएनए निकालने और उसका विश्लेषण करने के अपने तरीकों को व्यापक बनाया है। यह डीएनए सिर्फ सतह पर नहीं रहता। यह हवा में भी स्वतंत्र रूप से मौजूद रहता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि घंटों या कई दिनों तक चलने वाले साधारण एयर फिल्टर बड़ी मात्रा में सूचनात्मक आनुवंशिक सामग्री एकत्र कर सकते हैं। डफी ने कहा, जब हमने शुरुआत की, तो ऐसा लगा कि हवा से डीएनए के बड़े टुकड़े प्राप्त करना मुश्किल होगा। लेकिन ऐसा नहीं है। हम वास्तव में बहुत सारे सूचनात्मक डीएनए प्राप्त रहे हैं। इसका मतलब है कि आप प्रजातियों को सीधे परेशान किए बगैर उनका अध्ययन कर सकते हैं। इस विधि से एक क्षेत्र में सभी प्रजातियों का एक साथ अध्ययन किया जा सकता है। डफ़ी की प्रयोगशाला ने डबलिन में हवाई डीएनए संग्रह उपकरण स्थापित किए। उपकरण के फिल्टर ने शहर की हवा में तैर रहे सैकड़ों मानव रोगाणुओं के निशान एकत्र किए जिनमें वायरस और बैक्टीरिया शामिल हैं। इस तरह की निगरानी बीमारी के प्रकोप का जल्दी पता लगाने या आबादी के माध्यम से फैलने वाले संक्रमण को समझने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इस तरीके से मौजूदा तकनीकों की तुलना में पर्यावरणीय एलर्जी का भी अधिक सटीक रूप से पता लगा सकता है। एलर्जी का पता लगाने की क्षमता डॉक्टरों द्वारा रोगियों को सलाह देने के तरीके या सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों द्वारा चेतावनी जारी करने के तरीके को बदल सकती है। डफी की टीम ने फ्लोरिडा के जंगलों में भी अपनी विधि का परीक्षण किया। वहां एयर फिल्टर ने छोटे जीव-जंतुओं के डीएनए के नमूने एकत्र किए। खास बात यह थी कि डीएनए ने न केवल इन जानवरों की उपस्थिति का पता लगाया, बल्कि यह भी बताया कि वे कहां से आए थे। ऐसी सटीकता जानवरों के संरक्षण के लिए एक गेम-चेंजर हो सकती है। लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाने की कोशिश करते समय, उनकी भौगोलिक उत्पत्ति को जानना उनके वर्तमान स्थान को जानने जितना ही महत्वपूर्ण हो सकता है।

कुछ अलग

पाप से घृणा करो पापी से नहीं

स्वभावतः मानव सौम्य और सहयोगी होता है किन्तु जब कभी वह आवेग में आता है तब वह हिसक ूर चोर लुटेरा अत्याचारी अपराधी बन जाता है। एक बार अपराध के मार्ग पर चल पड़ने पर फिर उसकी गति रुक पाना कठिन हो जाता है। आत्म जाग्रति का अवसर वही क्षण होता है जब वह आवेग में आता है। उस समय यदि वह अपने आपको आवेग में बहने से रोक दे तो फिर वुछ समय बाद तो वह वैसा करना स्वयं ही छोड़ देगा। आवेग एक प्रवाह है जो मानव की विचार शत्ति को बहा ले जाता है और मानव चिन्तन शून्य होकर दुष्वृत्य कर बैठता है। हमारी संस्वृति का अमर स्वर है कि पाप से घृणा करो पापी से नहीं इसका अर्थ ही यह है कि पापी सर्वदा पापी नहीं हुआ करता। पाप तो वह आवेग में कर बैठता है अन्यथा तो वह सामन्य प्रेम पूर्ण मानव है। उससे संपर्व नहीं तोड़ना चाहिये। उसको अपने प्यार से सरोबार कर उसे पाप से मुत्त रहने की प्रेरणा देनी चाहिये। इस तरह प्रेम भाव की शत्ति से हजारों अपराधियों ने जीवन बदला है आज भी ऐसा हो सकता है। कारागार में अपराधी के रुप में बन्द है वे अपने कार्यो का बहुत पाताप करते हैं। उन में हजारों ऐसे हैं यदि उन्हें कारागार से मुत्ति मिल जाए तो वे अच्छे नागरिक जैसा जीवन जी लेंगे।

दृष्टि कोण

एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे ईरान और इजराइल कभी गहरे दोस्त भी थे

ईरान और इजराइल एक दूसरे के खून के प्यासे बने हुए हैं। दोनों के बीच इस समय जो वार-पलटवार चल रहा है उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि दुनिया में एक-दूसरे के यही सबसे बड़े दुश्मन देश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दशकों से एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए ईरान और इजराइल कभी गहरे मित्र भी थे? वैसे ईरान और इजराइल की मित्रता की बात भले कोरी कल्पना लगे लेकिन इतिहास इस दोस्ती का गवाह है। हम आपको बता दें कि 1948 में जब इज़राइल की स्थापना हुई थी तब बहुत से मुस्लिम बहुल देशों ने उसे मान्यता देने से इंकार कर दिया था। लेकिन उस दौर में ईरान एक अपवाद था। यह बात आज के ईरान-इज़राइल संबंधों को देखते हुए चौंकाने वाली लग सकती है, लेकिन 1948 से 1970 के बीच ईरान और इज़राइल के बीच गहरे परन्तु छुपे हुए मैत्री संबंध थे, जो कूटनीति, सैन्य सहयोग और व्यापार पर आधारित थे। वैसे ईरान ने इज़राइल को उसकी स्थापना के बाद सार्वजनिक रूप से तत्काल मान्यता नहीं दी थी, लेकिन 1950 में इज़राइल को ₹डि-फैक्टो₹ मान्यता दे दी गई थी। इसका मतलब था कि दोनों देशों ने औपचारिक रूप से दूतावास नहीं खोले, लेकिन व्यावसायिक और कूटनीतिक संबंध धीरे-धीरे स्थापित होते रहे। इस मैत्री के पीछे कारण था साम्य हित। दरअसल दोनों की स्थिति उस समय अरब राष्ट्रों से घिरे हुए देशों की थी। यह दोनों अरब देशों के दुश्मन थे इसीलिए इनके बीच एक रणनीतिक साझेदारी की जरूरत महसूस हुई। हम आपको यह भी बता दें कि इज़राइल और उस समय के ईरान के शाह (मोहम्मद रज़ा पहलवी), दोनों ही अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों के करीबी माने जाते थे। यह एक और कारण था जो दोनों देशों को एक-दूसरे के करीब लाया। इसके अलावा, इज़राइल को तेल की ज़रूरत थी, जोकि ईरान के

पास भरपूर मात्रा में था। इस साझेदारी के ज़रिए इज़राइल को गुप्त रूप से तेल की आपूर्ति होती रही। इसके बदले में इज़राइल ने ईरान को कृषि, जल प्रबंधन और तकनीकी मदद दी। 1950-70 के दशक में ईरान में शाह मोहम्मद रजा पहलवी की सरकार के दौरान इजराइल ने तेल के बदले ईरान को हथियार भी दिए थे। इसके अलावा, इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद और ईरान की सवाक (SAVAK) के बीच भी घनिष्ठ सहयोग था। मोसाद ने सवाक को खुफिया ट्रेनिंग दी और तकनीकी उपकरण भी उपलब्ध कराए। यह सहयोग विशेष रूप से 1960 के दशक में मजबूत हुआ। साथ ही ₹Trident₹ परियोजना एक गुप्त योजना थी जिसमें इज़राइल और ईरान ने मिलकर मिसाइल टेक्नोलॉजी और सैन्य शोध पर काम किया। साथ ही इज़राइली विशेषज्ञों ने ईरान में कृषि सुधार, सिंचाई प्रणाली और जल प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं में भी अहम भूमिका निभाई। हम आपको बता दें कि 1970 के दशक में यह संबंध अपने चरम पर था, लेकिन ईरान में इस्लामी आंदोलन के जोर पकड़ने के साथ इसमें दरार आने लगी। शाह के शासन के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था और 1979 की इस्लामी क्रांति इस मैत्री का अंत लेकर आई। शाह मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता से हटाकर आयतुल्ला खामेनेई के नेतृत्व में ईरान में एक धार्मिक सरकार बनते ही इजराइल को दुश्मन घोषित कर दिया गया। इसके साथ ही इजराइल के दूतावास को बंद करके उसे फिलिस्तीनी संगठन PLO को दे दिया गया। इजराइल को इस्लाम का भी दुश्मन घोषित करने के बाद ईरान ने हिजबुल्ला और हमास को मदद देनी शुरू की जोकि आज तक जारी है। वैसे इस तरह की भी रिपोर्टें समय-समय पर आती रहीं कि ईरान और इजराइल के बीच दुश्मनी के दौर में भी गुप्त रूप से कारोबार चलता रहा। बताया जाता है कि 1980 में जब ईरान और इराक के बीच जंग हुई, तो इजराइल को महसूस हुआ कि इराक ज्यादा खतरनाक है। इसलिए अमेरिका और इजराइल ने गुपचुप तरीके से ईरान को लड़ने के लिए हथियार भेजे थे। लेकिन जब 1990 के दशक में ईरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम शुरू किया तो इजराइल ने उसे सबक सिखाने की ठान ली और अब जब तेहरान परमाणु बमों के निर्माण से चंद कदम ही दूर रह गया था तो इजराइल ने बड़ा हमला करते हुए आयतुल्ला खामेनेई के सपनों को तोड़ डाला।

लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन में एक नई शक्ति बनेगा हरियाणा : नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र में पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल का किया उद्घाटन

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन के क्षेत्र में एक नई शक्ति बनकर उभरेगा। धीरपुर (कुरुक्षेत्र) का अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) विकसित भारत-विकसित हरियाणा के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। इससे प्रदेश के किसानों, उद्यमियों व व्यापारियों की समृद्धि बढ़ेगी और हमारे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को इनलैंड कंटेनर डिपो धीरपुर के पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में दुबई के सर्राफ ग्रुप का निवेश राज्य की आर्थिक नीतियों और यहां के व्यापार-अनुकूल माहौल के गहरे विश्वास को दर्शाता है, जो भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मजबूत होते आर्थिक संबंधों का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आधुनिक लॉजिस्टिक सुविधा का लोकार्पण नहीं है, बल्कि यह हरियाणा के सामर्थ्य, किसानों, व्यापारियों व उद्यमियों की समृद्धि और युवाओं के भविष्य को सशक्त करने की दिशा में

एक महत्वपूर्ण कदम है। कोई भी राष्ट्र अपने अतीत की नींव पर ही अपने भविष्य का निर्माण करता है। कुरुक्षेत्र की पहचान हमेशा से बड़े और साहसिक फैसलों के लिए रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से लैस यह कंटेनर डिपो 18 एकड़ भूमि पर बनाया गया है। इसके अलावा, सर्राफ ग्रुप द्वारा पलवल में 115 एकड़ भूमि पर मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क संचालित किया जा रहा है। रेवाड़ी में भी 30 एकड़ भूमि पर ट्रांसशिप हब विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब यहां भी कस्टम क्लीयरेंस से लेकर वेयरहाउसिंग और कोल्ड स्टोरेज तक की आधुनिक सुविधाएं एक ही जगह पर मिलेंगी। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, सर्राफ ग्रुप के वाइस चेयरमैन शराफुद्दीन सर्राफ, सर्राफ ग्रुप के अध्यक्ष सलाह सर्राफ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बस और दो कारों की भिड़ंत में एक परिवार के चार लोगों की मौत

जयपुर (हिंस)। डीडवाना-कुचामन जिले के परबतसर थाना इलाके के हनुमानगढ़-किशनगढ़ मेगा हाईवे पर बस और दो कारों की भिड़ंत में एक परिवार के चार लोगों की मौत हो गई और वहीं तीन वर्षीय बच्ची सहित एक महिला गंभीर घायल हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस ने मौके पर क्रेन की मदद से वाहनों को हटाया और ट्रैफिक सुचारू कराया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिनेन्द्र जैन ने बताया कि हादसा शनिवार दोपहर पौने दो बजे हाईवे पर परबतसर में आईटीआई कॉलेज के सामने हुआ था। जहां सतनाम साखी ट्रैवल्स की स्लीपर बस किशनगढ़ की तरफ जा रही थी। इस दौरान पीछे से आई किआ कार ने बस को ओवरटेक किया। किआ कार सामने से आ रही स्विफ्ट से टकरा गई। टक्कर के बाद स्विफ्ट बस से भिड़ गई। स्विफ्ट कार किशनगढ़ से डीडवाना की तरफ जा रही थी। मौके पर जुटे लोगों ने परबतसर पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। घायलों को तुरंत परबतसर राजकीय उप जिला अस्पताल लेकर गए।

मुख्यमंत्री का जैसलमेर दौरा

बीएसएफ जवानों से किया संवाद, मां तनोट राय के दर्शन कर मांगी प्रदेश की खुशहाली की कामना

जैसलमेर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जांबाज हर तरह की परिस्थितियों में अडिग रहकर दिन-रात हमारी सीमाओं की रक्षा में तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही कानून व्यवस्था, अपराध की रोकथाम, सामाजिक समरसता बनाए रखने और आपदा प्रबंधन में बीएसएफ के जांबाज हर मोर्चे पर मुस्तैदी से डटे रहते हैं। शर्मा शनिवार को भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट स्थित मां तनोट राय मंदिर परिसर में सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने बीएसएफ के जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मन के छक्के छुड़ाकर हम सबको गौरवान्वित किया है। बीएसएफ और सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया के सामने बहादुरी का एक अद्वितीय उदाहरण पेश किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की बीएसएफ ने जल, थल और वायु सुरक्षा इकाइयों का गठन कर दुनिया भर के सभी सीमा सुरक्षा बलों में अग्रणी बनाया है। बीएसएफ आज दुनिया का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित सीमा सुरक्षा बल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा बलों को बेहतर आवास, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा और आधुनिक उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रदेश के अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रिक्त पद भरे तथा लगातार संपर्क बनाए रखा। यहां के नागरिकों से भी देशभक्ति का जज्बा, देशप्रेम और बीएसएफ के कार्यों की सराहना देखने को मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं तथा हमारी सेना को सशक्त बनाया गया है। वर्ष 2014 के बाद देश में गरीब कल्याण की योजनाओं, सीमाओं की बढ़ती सुरक्षा से लेकर आतंकवाद और नक्सलवाद का खात्मा एवं दुनिया भर में देश का बढ़ता हुआ सम्मान के रूप में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री की प्रेरणा से विकास और विरासत के विजन को साथ लेकर कार्य कर रही है। इसी दिशा में शौर्य की धरा पर मां तनोट राय का भव्य और सुंदर मंदिर बनेगा और 200 कमरों का विश्राम गृह भी बनेगा। तनोट यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किशनगढ़ फोर्ट पहुंचे। इस दौरान शर्मा ने 1100 वर्षों से अधिक प्राचीन किशनगढ़ फोर्ट के स्थापत्य और सामरिक महत्व की जानकारी ली।

कारगिल युद्ध के शहीदों को सेना घर-घर जाकर दे रही सम्मान

पानीपत (हिंस)। कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय सेना शहीदों के घर-घर पहुंचकर वीर सैनिकों के स्वजनों व देश के नागरिकों को अवगत करा रही है कि देश के वीर सपूतों ने अदम्य साहस और शौर्य की प्रकाष्ठा दिखाते हुए किस प्रकार मां भारती के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन सभी वीर सेनानियों के घर-घर जाकर भारतीय सेना सम्मानपूर्वक स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित कर रही है। सेनाधिकारियों और जवानों ने अपने भावों को दर्शाया है कि हम अपने वीर साथियों को कभी नहीं भूलते और न कभी भूलेंगे नहीं। शनिवार को पानीपत के गांव बापौली में नायब सूबेदार कमल कांत ने बताया यह हमारा कर्तव्य और हमारी भावना है कि हम उनके परिजनों को बताएं कि हमारे वीर सेनानियों का बलिदान व्यर्थ नहीं गया है। हमारे वीर बलिदानियों का परिवार अकेला नहीं है, समस्त भारतीय सेना उनका परिवार है और पूरी भारतीय सेना हमेशा उनके साथ खड़ी है। इस दौरान हरियाणा में नायक रियासत अली गांव बपौली जिला पानीपत, नायक हनुमान सिंह गांव नारनौल जिला महेंद्रगढ़, सिपाही वीरेंद्र कुमार गांव मोहना जिला फरीदाबाद, सिपाही रवींद्र गांव रोहन जिला सोनीपत, लांस नायक राजबीर सिंह सेक्टर 16 जिला फरीदाबाद, लांस नायक आज़ाद सिंह गांव मुमताजपुर जिला गुड़गांव, सिपाही विजेंदर कुमार गांव दौलताबाद जिला गुड़गांव, गनेंडियर संजय कुमार गांव मधमाधवी जिला भिवानी, नायक अहमद गांव गुध जिला नूह, सिपाही पवित्र कुमार गांव मिल्कापुर 1 जिला हिसार, राइफलमैन आशीष कुमार गांव घुमनी जिला जींद व सिपाही अशोक कुमार गांव सीहोर जिला महेंद्रगढ़ के घर सेनाधिकारी पहुंचे और परिजनों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

बारिश के बीच पुलिया पार कर रही कार रपट कर तेज बहाव में बही, तीन की मौत

जोधपुर (हिंस)। करवड थाना क्षेत्र में बारिश के दौरान दईजर के पास सड़क पर बनी रपट में बह रहे पानी में उतरी कार बहती चली गई। इस हादसे में एक व्यवसायी और समधी दंपती की मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला को ग्रामीणों ने बचा लिया। पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर सूरसागर रोड पर स्थित डऊकिया हॉस्पिटल के पीछे शांतिनाथ नगर निवासी हरिप्रकाश भंडारी (माहेश्वरी) बेटे के दादा ससुर संपत लाहोटी व दादी सास उर्मिला देवी लाहोटी तथा सूरज मानधना के साथ दईजर क्षेत्र स्थित राधा रानी मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। लाहोटी दंपती अपने दोहिते के जन्मदिन पर सूरत से जोधपुर आए हुए थे। दईजर क्षेत्र में ओटीसी के निकट आटिया नाला पुलिया की रपट पर पानी बह रहा था। इसी रपट को पार करते हुए संभवतया

सड़क का अनुमान नहीं लगा और कार पुलिया से नीचे गड्ढे में उतर गई जहां तकरीबन पांच फीट से ज्यादा पानी तेज बहाव से बह रहा था। इस हादसे में प्लाइवुड कारोबारी हरी प्रकाश भंडारी (58) और रिश्तेदार महिला उर्मिलादेवी लाहोटी (72) की मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने बुजुर्ग महिला सूरज मानधना (70) को बचा लिया, जबकि कार में सवार संपत लाहोटी तेज बहाव में बह गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। सूचना पर एसडीआरएफ और गोताखोर मालवीय बंधुओं की टीमें भी मौके पर पहुंची और बचाव कार्य में जुट गई। प्रारंभ में बारिश के कारण नाले में तेज बहाव होने से बचाव कार्य में कठिनाई आई। बाद में शाम को संपत लाहोटी का शव भी मिल गया। जिस जगह पर हादसा हुआ वो सड़क जोधपुर से ओसियां की तरफ जाती है। यही पर दईजर के समीप आटिया नाला है। हादसे के बाद यहां पानी जमा हो गया था। इससे संभवतया कार चालक पुलिया और सड़क का अंदाजा नहीं लगा पाया। इसी दौरान यह हादसा हो गया। एमजी अस?पताल मोर्चरी के बाहर एकत्रित हुए माहेश्वरी समाज के लोगों से पता चला कि हरिप्रकाश भंडारी शनिवार सुबह सिवांची गेट स्थित महेश स्कूल परिसर में महेश शिक्षण संस्थान के सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया था। इसके बाद वे वापस घर पहुंचे और रिश्तेदारों के साथ एकादशी पर दईजर क्षेत्र में गोशाला और राधा-रानी मंदिर दर्शन करने निकले थे। भंडारी का जालोरी गेट पर प्लाईवुड का कारोबार है।

अमृतसर में अटारी सीमा पर बीएसएफ ने मनाया योग दिवस

चंडीगढ़ (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की तरफ से 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को संयुक्त चेक पोस्ट अटारी पर योग समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीएसएफ के जवानों के अलावा सीमावर्ती गांवों के नागरिकों, स्कूली बच्चों, प्रसिद्ध खिलाड़ियों और पद्म पुरस्कार विजेताओं ने भाग लिया। बीएसएफ ने जिस जगह पर आज कार्यक्रम का आयोजन किया वहां रिट्रीट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। जीरो लाइन पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान की तरफ किसी तरह का आयोजन नहीं किया गया। एक तरफ जहां भारतीय सीमा में जयकारे गूंज रहे थे वहीं पाकिस्तान की तरफ सन्नाटा पसरा हुआ था। इस विशेष आयोजन में बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर के महानिरीक्षक अतुल फुलजेले ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर योग को मानवता की साझा विरासत बताते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि जीवन जीने की एक कला है, जो शांति, स्वास्थ्य और एकता को मजबूती देती है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागियों ने सबसे पहले सूर्य नमस्कार किया। इसके बाद प्राणायाम, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन जैसे प्रमुख योगासनों का अभ्यास किया। बीएसएफ ने इस पहल को सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को जोड़ने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और सामाजिक सौहार्द की भावना को मजबूत करने का माध्यम बताया। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और योग को दैनिक जीवन में अपनाने की शपथ ली। अश्वनी स्टेडियम में योग शिविर का आयोजन बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि योग दिवस के अवसर पर जालंधर कैंपस स्थित अश्वनी स्टेडियम में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व बीएसएफ के उप महानिरीक्षक सेतुराम ने किया।

काशी में मुस्लिम महिलाओं ने किया योग, कट्टरपंथियों को दिया जबाव

बोली, भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है योग, जिंदगी को जहन्नुम बनाने वाले मौलानाओं का करें बहिष्कार

वाराणसी (हिंस)। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर धर्म नगरी काशी में मुस्लिम महिलाओं ने बंधनों और रूढ़ियों को दरकिनार कर पूरे उत्साह के साथ योगाभ्यास किया। योग के बाद महिलाओं ने संदेश दिया कि भारतीय संस्कृति का योग अभिन्न हिस्सा है। इसे अपनाकर हम स्वस्थ जीवन जी सकते है। विशाल भारत संस्थान एवं मुस्लिम महिला फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में लमही स्थित सुभाष भवन में जुटी महिलाओं को वोक्ससेन यूनिवर्सिटी, हैदराबाद में यौगिक स्टडीज की सहायक प्रोफेसर विशाखा राव ने योग सिखाया। इसमें मुस्लिम महिलाओं समेत सामाजिक कार्यकर्ताओं, बच्चों ने भी भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पीएचडी करने वाली डॉ. नजमा परवीन के नेतृत्व में जुटी मुस्लिम महिलाएं योग करके स्वस्थ रहने का टिप्स लेने नहीं आई थीं बल्कि उन कट्टरपंथियों को जबाव भी देने आई थीं जो हर बात को इस्लाम से जोड़कर आम मुसलमानों की जिंदगी को जहन्नुम

बना चुके हैं। डॉ. नजमा परवीन ने ऐसे लोगों का बहिष्कार करने की अपील की, जो भारतीय संस्कृति, पहचान और परंपराओं के दुश्मन हैं। उन्होंने कहा कि योग भारत की महान संस्कृति का हिस्सा है। हमारे पूर्वजों ने योग करके मन और तन दोनों को ठीक रखा। इसलिए भारतीय न हिंसक बना और न हमलावर। योग तो उन देशों को भी सीखना चाहिए जिनके नागरिक ही विकृत हो। एक दूसरे की हत्या करना, धर्म के नाम पर हिंसा फैलाना, धर्म पूछकर गोली मारना यह सब मानसिक विकृति का ही परिणाम है। बम से दूसरों को उड़ाकर जन्नत जाने की परिकल्पना मानसिक दिवालियेपन की निशानी है। मुस्लिम देशों में तो योग अनिवार्य करना चाहिए। योग से हिंसा, नफरत, द्वेष खत्म होगा। जब मन ठीक रहेगा तो प्रेम, शांति और भाईचारा की स्थापना होगी। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव ने कहा कि मानसिक दिवालियेपन के शिकार लोगों को योग कराया जाना चाहिए। योग मन को शांत करता है और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाता है। योग संतुलित व्यवहार सिखाता है और जीवन के साथ शरीर को भी स्वस्थ रखने का तरीका बताता है। योग कार्यक्रम में डॉ. अर्चना भारतवंशी, डॉ. मृदुला जायसवाल, ज्ञान प्रकाश, शिवसरन सिंह, खुर्शीदा बानो, नगीना बेगम, महरुननिशा, जरीना, रुखसार, महरुन, किशुना, गीता आदि ने भागीदारी की।

योगी सरकार के नेतृत्व में कैच द रेन 2025 बना जल चेतना का अभियान

लखनऊ (हिंस)। जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश ने *जल शक्ति अभियान: कैच द रेन 2025* के तहत ऐतिहासिक उपलब्धियां दर्ज की हैं। 22 मार्च से 13 जून 2025 के बीच कुल 1, 66, 000 से अधिक जल-संरक्षण कार्य या तो पूर्ण हो चुके हैं या प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह अभियान सिर्फ एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि *जन-भागीदारी से जन-जागरूकता* का पर्याय बन गया है। जल संचयन, वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों के पुनरोद्धार और वनरोपण जैसे अनेक कार्यों को जिलास्तर पर तीव्रता से क्रियान्वित किया जा रहा है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि 17, 557 कार्य पूर्ण और 16, 561 कार्य प्रगति पर हैं जो जल संचयन और रेन वाटर हार्वेस्टिंग से सीधे जुड़ते हैं। इसी तरह, मनरेगा के तहत पारंपरिक जल स्रोतों के 5, 714 कार्य पूर्ण और 5, 093 कार्य प्रगति पर हैं। सोकपिट व स्टैबलाइजेशन पांड के 3, 825 कार्य पूर्ण और 512 कार्य प्रगति पर हैं। वाटरशेड डेवलपमेंट के 66, 135 कार्य पूर्ण और 52, 097 कार्य प्रगति पर हैं। इंटेंसिव फॉरेस्टेशन के 20, 922 कार्य पूर्ण और 23, 089 कार्य प्रगति पर हैं। कृषि विज्ञान केंद्र

(केवीके) द्वारा 228 जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों में किसानों, छात्रों, ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को जल प्रबंधन की तकनीकों से अवगत कराया गया। कार्यों को एग्रीकल्चर व हॉर्टीकल्चर विभागों द्वारा अंजाम दिया गया। जेएसए: सीटीआर एमआईएस पोर्टल पर सभी जिलों के नोडल अधिकारी कार्यों को नियमित रूप से अपडेट कर रहे हैं, जिससे पारदर्शिता के साथ मॉनिटरिंग और प्रभावी मूल्यांकन संभव हो रहा है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने मेहरानगढ़ दुर्ग में किया योग

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विख्यात मेहरानगढ़ दुर्ग में योग किया। उन्होंने कहा कि दुर्ग में योग इतिहास और संस्कृति का अद्भुत संगम है। योग विश्व को शांति का संदेश है। मेहरानगढ़ किले पर बड़ी संख्या में योग साधना कर लोगों ने स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया। शेखावत ने कहा कि सभी ने एक स्वर में यही संकल्प किया कि योग से ही काया निरोगी रह सकती है। मन स्वस्थ तो तन स्वस्थ रहता है। सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन सुना और उनके योग को लेकर दिए गए संदेश मार्गदर्शन को जीवन में संकल्पित होकर आत्मसात करने का संकल्प किया। जिला प्रशासन, पुलिस, बीएसएफ के जवानों एवं गणमान्य लोगों के साथ बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं ने उत्साह के साथ योग किया।

एयर इंडिया की लापरवाही, चेन्नई से लगेज बिना पटना पहुंचीं फ्लाइट, यात्रियों ने किया हंगामा

पटना (हिंस)। जय प्रकाश नारायण (जेपी) पटना हवाई अड्डे पर विमान कंपनियों की लापरवाही से यात्रियों को लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। शनिवार सुबह एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX-2936, चेन्नई से पटना पहुंची। फ्लाइट में 186 यात्री सवार थे, लेकिन करीब दो दर्जन से अधिक यात्रियों का सामान चेन्नई में ही छोड़ दिया गया। इससे नाराज यात्रियों ने हंगामा किया। विमान ने जैसे ही पटना हवाईअड्डे पर लैंड किया तो अनाउंसमेंट किया गया कि यात्रियों का लगेज 4 नंबर बेल्ट पर आएगा। लेकिन जब यात्री वहां पहुंचे तो उन्हें सामान नहीं दिखा। एयर इंडिया की ओर से बाद में बताया गया कि विमान में वजन अधिक होने की वजह से लगेज लोड नहीं किया जा सका। इस पर नाराज यात्रियों ने पटना एयरपोर्ट पर जमकर हंगामा किया। इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एयर इंडिया के ग्राउंड स्टाफ और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों को हस्तक्षेप करना पड़ा। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि विमान पर 186 यात्री सवार थे। इस कारण वजन अधिक हो गया था। समर शेड्यूल में हवा गर्म रहती है। ओवरवेट होने से फ्लाइट के टेकऑफ होने में परेशानी हो सकती है। ऐसे में कार्गो और पेसेंजर की क्षमता कम की जाती है, जिसे टोल पैनेल्टी भी कहते हैं। इस कारण यात्रियों का लगेज नहीं लाया जा सका। एयर एंडिया के अधिकारी ने बताया कि जिन यात्रियों का स्टॉपेज पटना था, उनके घर तक लगेज पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। जिनकी कनेक्टिंग फ्लाइट छूटी है, उन्हें दूसरे विमान से एयर इंडिया की तरफ से भेजा जाएगा।

योग दिवस पर योगाभ्यास के साथ लोगो ने ली लोकतंत्र को मजबूत बनाने की शपथ

पूर्वी चंपारण (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य आयुष समिति और जिला प्रशासन के सौजन्य से महात्मा गांधी प्रेक्षागृह के प्रांगण में फिट इंडिया, वोट इंडिया और *स्वस्थ मतदाता, सफल लोकतंत्र* के नारे के साथ योगाभ्यास और मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगो को योग के माध्यम से स्वयं को स्वस्थ बनाते हुए देश की मजबूती के लिए मतदान करने का आह्वान किया गया। मौके पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग न केवल व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है, बल्कि उसे प्रसन्नचित्त और सकारात्मक दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित भी करता है। उन्होंने सभी से योग अपनाने और स्वस्थ रहते हुए जीवन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी बच्चों और प्रबुद्धजनों से लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदाताओं को जागरूक करने का आह्वान किया गया। जिलाधिकारी ने अपील की

जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, वे पहले मतदाता बनें और फिर अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करें। उन्होंने मताधिकार को देश के आम नागरिकों को प्राप्त सर्वाधिक शक्तिशाली और महत्वपूर्ण अधिकार बताया। योगाभ्यास के दौरान, जिला निर्वाचन शाखा के सौजन्य से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी द्वारा मतदाता शपथ भी दिलाई गई जिसमे कहा गया कि हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस अवसर पर वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम जैसे नारे भी लगाये गये। कार्यक्रम स्थल पर एक सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया था, जहां जिलाधिकारी सहित सभी उपस्थित गणमान्य नागरिको और बच्चो ने सेल्फी लेकर कार्यक्रम को यादगार बनाया।

दिल्ली में 1 जुलाई से नया फ्यूल नियम लागू होगा

नई दिल्ली

दिल्ली में 1 जुलाई से 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को पेट्रोल पंप से फ्यूल नहीं मिलेगा। यह नियम अब पूरे देश में रजिस्टर्ड पुराने वाहनों पर लागू होगा, भले ही वे किसी भी राज्य से पंजीकृत हों। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 21 जून को इसकी पुष्टि की।

10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को नहीं मिलेगा ईंधन

यह कदम उन लोगों के लिए बड़ा झटका है जो दिल्ली में नियमों से बचने के लिए अपने पुराने वाहनों को दूसरे राज्यों में रजिस्टर करवा रहे थे। योग ने अप्रैल में ही यह निर्देश जारी किया था कि 1 जुलाई से ऐसे ओवरएज वाहनों को ईंधन न दिया जाए।

सीएक्यूएम के एक तकनीकी सदस्य ने कहा कि हमारे दिशा-निर्देशों में ऐसा नहीं है कि सिर्फ दिल्ली में रजिस्टर्ड एंड ऑफ लाइफ (ईओएल) वाहनों को ही ईंधन नहीं मिलेगा।

दिल्ली की सड़कों पर बाहर के राज्यों से पंजीकृत वाहन भी चलते हैं और ये भी प्रदूषण फैलाते हैं। पिछले साल हुए एक सर्वे में सामने आया था कि दिल्ली-एनसीआर के 75 फीसदी परिवारों में कम से कम एक सदस्य को लगातार खांसी या गले में खराश की शिकायत रहती है।

वहीं आधे परिवारों ने बताया कि उनके किसी न किसी सदस्य को दम घुटने या अस्थमा जैसी दिक्कतें हो रही हैं, जिसकी बड़ी वजह जहरीली हवा है। दिल्ली में अब पेट्रोल पंपों पर लगे कैमरे पुराने और नियम तोड़ने वाले वाहनों की पहचान करेंगे।

राजधानी के 520 में से 500 फ्यूल स्टेशनों पर ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे लगाए जा चुके हैं। बाकी बचे हुए पंपों पर यह व्यवस्था 30 जून तक पूरी कर दी जाएगी। दिल्ली से सटे पांच जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाज़ियाबाद, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) और सोनीपत में 1 नवंबर से ईंधन बिक्री पर रोक लागू कर दी जाएगी। इन जिलों में 31 अक्टूबर तक एएनपीआर कैमरे लगाए जाने की तैयारी है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बाकी जिलों में यह नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। तब तक वहां भी एएनपीआर कैमरे लगाना जरूरी होगा।

न्यूज ब्रीफ

एचडीबी फाइनेंशियल आईपीओ की कीमतों में भारी कटौती, फीडबैक के बाद तय हुआ प्राइस बैंड

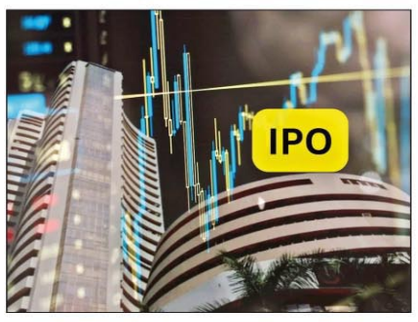

नई दिल्ली। एचडीबी फाइनैंशियल के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम की पेशकश कीमतों में भारी कटौती म्युचुअल फंडों, बीमा कंपनियों और अग्रणी विदेशी संस्थागत निवेशकों समेत उच्च गुणवत्ता वाले निवेशकों के साथ व्यापक रोडशो और उनसे मिले फीडबैक के बाद की गई। कंपनी के प्रबंधन और आईपीओ से जुड़े बैंकरों ने यह बताया। आईपीओ का कीमत दायरा इस कंपनी के शेयरों की असूचीबद्ध बाजार में हो रही ट्रेडिंग के मुकाबले काफी कम है। अगर आरबीआई के परिपत्र का मसौदा लागू हुआ तो एचडीबी की प्रवर्तक एचडीएफसी बैंक को अपनी हिस्सेदारी घटाकर 20 फीसदी पर लानी पड़ सकती है। बैंकरों ने कहा कि असूचीबद्ध बाजार में मूल्य निर्धारण किसी भी प्रबंधन इनपुट के बगैर है। एचडीबी फाइनैंशियल ने अपने आईपीओ के लिए 700 से 740 रुपये का कीमत दायरा तय किया है। आईपीओ 25 को खुलकर 27 जून को बंद होगा। 24 जून को एंकर निवेशक आवेदन कर पाएंगे।

मई माह में पैसेंजर व्हीकल्स की बिक्री में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर की रफ्तार मई 2025 में कुछ धीमी रही। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जहां पैसेंजर व्हीकल्स की बिक्री में मामूली 0.8प्रतिशत की गिरावट आई, वहीं दोपहिया वाहनों की बिक्री में 2.2प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। मई में कुल 3,44,656 पैसेंजर व्हीकल्स बिके, जो पिछले साल इसी महीने 3,47,492 यूनिट थे। हालांकि कुल वाहन बिक्री 1.8प्रतिशत की बढ़त के साथ 2.01 मिलियन यूनिट्स रही, जो संतोषजनक कही जा सकती है। कंपनियों के प्रदर्शन की बात करें तो मारुति सुजुकी और हुंडई की बिक्री में गिरावट आई। मारुति की बिक्री 1,44,002 से घटकर 1,35,962 यूनिट्स रही, वहीं हुंडई ने 49,151 के मुकाबले 43,861 यूनिट्स बेचे। दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए 52,431 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले साल से 21प्रतिशत अधिक है। दोपहिया वाहनों की बिक्री 16,55,927 यूनिट्स तक पहुंची। खासतौर पर स्कूटरों की मांग में 7.1प्रतिशत की बढ़त देखी गई। मोटरसाइकिल बिक्री लगभग स्थिर रही। तिपहिया वाहन सेगमेंट में गिरावट दर्ज हुई और 3.3 प्रतिशत कम होकर बिक्री 53,942 यूनिट्स रही। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन के अनुसार, हालिया गिरावट चिंता का कारण नहीं है। आने वाले महीनों में त्योहार और मानसून जैसे कारक बिक्री में तेजी ला सकते हैं।

बेक टू स्कूल ' ऑफर की घोषणा की एप्पल ने

नई दिल्ली। भारतीय छात्रों और शिक्षकों के लिए एप्पल ने 'बेक टू स्कूल ' ऑफर की घोषणा की है। कंपनी का यह आफर 30 सितंबर 2025 तक लागू रहेगा। यह ऑफर एप्पल स्टोर ऑनलाइन, एप्पल स्टोर ऐप और फिजिकल एप्पल स्टोर्स पर उपलब्ध है। इस ऑफर के तहत छात्र और शिक्षक चुनिंदा मेकबुक, आईपेड और आईमेक पर मुफ्त या मामूली अतिरिक्त भुगतान के साथ एयरपोडस, एप्पल पेंसिल प्रो और अन्य एक्सेसरीज प्राप्त कर सकते हैं, जिनकी कीमत रुपए 27,900 तक हो सकती है। इस प्रमोशनल स्कीम का फायदा हर ग्राहक केवल एक आईपेड और एक मेक डिवाइस पर ही ले सकता है। यानी एक व्यक्ति एक से ज्यादा डिवाइस खरीदकर कई फ्री एक्सेसरीज नहीं पा सकता। यह ऑफर आईपेड मिनी, आईपेड दसवीं जेन, मेक मिनी, मेक स्टूडियो, मेक प्रो और रीफर्बिश्ड डिवाइसेज पर लागू नहीं होता। मेकबुक एयर या मेकबुक प्रो खरीदने वाले छात्र मुफ्त में मेजिक कीबोर्ड, मेजिक माउस, मेजिक ट्रकपेड या नए एयरपोडस 4 में से एक का विकल्प चुन सकते हैं।

भारत का योग मार्केट 2030 तक 12,667 अरब डॉलर का होगा!

ग्रोथ सालाना 12.2 फीसदी की दर से हो रही है

नई दिल्ली

भारत का योग मार्केट 2023 में 5,672.7 अरब अमेरिकी डॉलर था और 2030 तक यह बढ़कर 12,667 अरब डॉलर हो जाएगा। यह ग्रोथ सालाना 12.2 फीसदी की दर से हो रही है, जो किसी भी इंडस्ट्री के लिए बेहद प्रभावशाली आंकड़ा है। आश्चर्य की बात यह है कि यह विकास न सिर्फ घरेलू बाजार में है बल्कि भारत दुनिया भर में योग को एक एक्सपोर्टेबल प्रोडक्ट के रूप में पेश कर रहा है। इससे न सिर्फ भारत की छवि विश्वगुरु के रूप में मजबूत हुई है, बल्कि रोजगार, विदेशी मुद्रा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भी नई जान फूंकी है। यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि भारत न सिर्फ अपनी पारंपरिक योग विद्या को पुन: स्थापित कर रहा है, बल्कि उसे वैश्विक व्यापार में बदलकर रोजगार, निर्यात और पर्यटन जैसे कई क्षेत्रों को गति भी दे रहा है। यह ट्रेंड दिखाता है कि योग अब 'स्पिरिचुअल से सर्विस सेक्टर' तक की यात्रा तय कर चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में सबसे ज्यादा कमाई ऑफलाइन योग कोर्स से हुई, जहां लोग योग स्टूडियो, कैंप और वर्कशॉप्स में भाग लेते हैं। हालांकि आने वाले वर्षों में 'ऑनलाइन योग कोर्स' सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेगमेंट साबित होगा। यह जानकारी एक अध्ययन से सामने आई, जो कहता है कि कोविड-19 महामारी के बाद लोगों की जीवनशैली में आए बदलाव ने योग को डिजिटल रूप दे दिया है। अब घर बैठे मोबाइल या लैपटॉप पर योग सीखना अधिक सुविधाजनक और पसंदीदा विकल्प बन गया है। यही कारण है कि ऑनलाइन योग की मांग लगातार बढ़ रही है और यह सेगमेंट तेजी से विस्तृत हो रहा है। यही रिपोर्ट यह भी बताती है कि भारत अब एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ता योग मार्केट बन चुका है। हालांकि, अभी तक चीन इस क्षेत्र में कुल योग आय में आगे है, लेकिन विकास दर के मामले में भारत आगे निकल चुका है।

इस वर्ष मई में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए कम हुई महंगाई

नई दिल्ली। कृषि श्रमिकों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण श्रमिकों (सीपीआई-आरएल) के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति दर सालाना आधार पर इस साल मई में घटकर क्रमश: 2.84 प्रतिशत और 2.97 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह क्रमश: 7 प्रतिशत और 7.02 प्रतिशत दर्ज की गई थी। यह जानकारी श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार उजागर की गई है। मासिक आधार पर भी मुद्रास्फीति दर में कमी दर्ज की गई है। इससे पहले अप्रैल में सीपीआई-एएल के लिए मुद्रास्फीति दर 3.48 प्रतिशत और सीपीआई-आरएल के लिए मुद्रास्फीति दर 3.53 प्रतिशत थी। पिछले सात महीनों में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए मुद्रास्फीति दर में लगातार गिरावट आ रही है। यह उन कमजोर वर्गों के लिए राहत की बात है, जो बढ़ती कीमतों से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इससे उनके पास अधिक पैसे बचते हैं, जिससे उनकी जीवनशैली बेहतर होती है। कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए मुद्रास्फीति में गिरावट देश की समग्र उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में पिछले वर्ष मई की तुलना में इस वर्ष मई में 2.82 प्रतिशत की गिरावट की पृष्ठभूमि में आई है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह फरवरी 2019 के बाद से खुदरा मुद्रास्फीति का सबसे निचला स्तर है।

बीमा क्षेत्र में सरकार दे सकती है बोर्ड में विदेशी निदेशकों की मंजूरी

नई दिल्ली

बीमा विधेयक तैयार, आगामी मॉनसून सत्र में पेश किए जाने की संभावना

सरकार विदेशी बीमा कंपनियों को अन्य प्रमुख प्रबंधन कर्मियों (केएमपी) के अलावा बोर्ड में बहुसंख्य अनिवासी सदस्यों को नियुक्त करने की अनुमति दे सकती है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के मुताबिक बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को मौजूदा 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी किए जाने के बाद ऐसा किया जा सकता है।

यह अमेरिका की सरकार और अमेरिकी बीमा उद्योग की एक प्रमुख मांग रही है। हाल में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) व कोअलिशन ऑफ सर्विसेज इंडस्ट्रीज (सीएसआई) दोनों ने इस मुद्दे को उठाया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि बीमा विधेयक हमारी ओर से तैयार है और उसे आगामी मॉनसून सत्र में पेश किए जाने की संभावना है।

हम निदेशकों की नियुक्ति से संबंधित प्रावधानों को आसान बना रहे हैं। अगर कोई अमेरिकी नागरिक या कोई विदेशी पेशेवर नेतृत्व की भूमिका निभाता है तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। विदेशी बीमा कंपनियां पहले से ही बीमा नियामक आईआरडीएआई के जरिये पूरी तरह विनियमित हैं। इन बदलावों के कारण उनके कारोबार अथवा संरचना पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि इन सुधारों का उद्देश्य विदेशी नियंत्रण के लिए दरवाजे खोलना नहीं बल्कि नेतृत्व की भूमिकाओं में वैश्विक भागीदारी का स्वागत करना है। मगर दूसरे अधिकारी ने कहा कि सरकार का मानना है कि इस अनुमति के बावजूद विदेशी बीमा कंपनियां ऐसे पदों को भरने के लिए अनिवासी भारतीय पेशेवरों पर अधिक निर्भर रहेंगी।

उन्होंने कहा, 'इस समय अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में कई भारतीय पेशेवर काम कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि उनमें से कुछ वापस लौटकर भारतीय बीमा क्षेत्र में योगदान देंगे।

वाटसऐप में विज्ञापन दिखाने की शुरुआत की मेटा ने

पहली बार मेटा कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म वाटसऐप में विज्ञापन दिखाने की शुरुआत कर दी है। अब यूजर्स को इस मैसेजिंग ऐप के भीतर विज्ञापन दिखाई देंगे। मेटा ने स्टेटस फीचर के जरिए प्रायोजित कंटेंट पेश किया है, जो ऐप में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इससे मेटा को वाटसऐप से भी विज्ञापन के जरिए कमाई का जरिया मिल गया है। कंपनी ने अपने आधिकारिक ब्लॉग के जरिए इस अपडेट की घोषणा की, जिसमें तीन नए फीचर्स की जानकारी दी गई: चैनल मेंबरशिप, प्रचारित चैनल और स्टेटस में विज्ञापन। वाटसऐप अब विज्ञापन दिखाने के लिए यूजर की सीमित जानकारी का उपयोग करेगा, जिसमें उनका शहर, देश और भाषा जैसी सामान्य जानकारी शामिल होगी। यदि यूजर वाटसऐप को अपने मेटा अकाउंट सेंटर से लिंक कर देता है, तो उसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर दिखाई देने वाले कंटेंट पर भी इसका असर पड़ सकता है। मेटा ने यह स्पष्ट किया है कि यूजर्स की प्राइवेसी को गंभीरता से लिया जाएगा।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह अबतक 1.39 फीसदी घटकर 4.59 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में गिरावट दर्ज हुई है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अबतक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.59 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 1.39 फीसदी कम है, क्योंकि अग्रिम कर संग्रह धीमा रहा है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में अब तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.45 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 4.86 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है।

आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 19 जून तक 4.86 फीसदी बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान 5.19 लाख करोड़ रुपये का संग्रह हुआ था। 01 अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान अग्रिम कर संग्रह मात्र 3.87 फीसदी बढ़कर 1.56 लाख करोड़ पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2024-25 की तुलनात्मक अवधि में अग्रिम कर संग्रह में 27 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई थी। विभाग ने बताया कि 01 अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान कॉर्पोरेट कर संग्रह में करीब 1.73 लाख करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट है। हालांकि, गैर-कॉर्पोरेट कर संग्रह, जिसमें मुख्य रूप से व्यक्तिगत आयकर शामिल है, उनमें 0.7 फीसदी की मामूली वृद्धि दर्ज हुई है, जो 2.73 लाख करोड़ रुपये रहा। इस अवधि के दौरान प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) 12 फीसदी बढ़कर 13,013 करोड़ रुपये हो गया।

कुल मिलाकर 01 अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह लगभग 4.59 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 2024 की इसी अवधि में एकत्र 4.65 लाख करोड़ रुपये से 1.39 फीसदी कम है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अबतक रिफंड जारी करने की राशि 58 फीसदी बढ़कर 86,385 करोड़ रुपये हो गई है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रत्यक्ष कर (डीटी) संग्रह और अग्रिम कर संग्रह के आंकड़े 19 जून तक जारी कर दिए गए हैं। ये आंकड़े आयकर विभाग की राष्ट्रीय वेबसाइट के लिंक पर उपलब्ध हैं।

दो पहिया वाहनों के लिए एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम होगा अनिवार्य

जनवरी, 2026 से सभी नए निर्मित वाहनों पर होगा लागू

नई दिल्ली

केंद्र सरकार अगले साल जनवरी, 2026 से सभी नए निर्मित दो पहिया वाहनों के लिए एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) अनिवार्य बनाने की तैयारी कर रही है। इनमें स्कूटर, मोटरसाइकिल और बाइक शामिल होंगे। इसके अलावा, मंत्रालय एक नियम लागू करने की तैयारी कर रहा है जिसके तहत सभी टू-व्हीलर निर्माताओं और डीलरशिप को हर नए वाहन के साथ भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा प्रमाणित दो हेलमेट उपलब्ध कराने होंगे। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि ये पहल भारत में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को कम करने में महत्वपूर्ण होंगी। एक खबर के अनुसार दो पहिया वाहन चालकों की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में लगभग 44 फीसदी हिस्सेदारी है। इनमें से अधिकांश मौतें सिर की सुरक्षा के अभाव में लगने वाली गंभीर चोटों से जुड़ी हैं। परिवहन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, फिलहाल एबीएस केवल 125 सीसी से ऊपर की बाइक पर अनिवार्य है।

यह देखते हुए कि इनमें से अधिकांश वाहन 70 किमी/घंटा से अधिक की गति से यात्रा कर सकते हैं, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि स्किडिंग और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बेहतर ब्रेकिंग सिस्टम मौजूद हों। एबीएस को आपातकालीन ब्रेकिंग स्थितियों के दौरान व्हील लॉक-अप को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

फॉक्सवैगन टेरा की ब्राजील में डिलीवरी शुरू

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी फॉक्सवैगन की नई एसयूवी टेरा लैटिन एनकैप क्रैश टेस्ट में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। इस नई एसयूवी को विशेषतौर पर लैटिन अमेरिकी और अफ्रीकी बाजारों के लिए ब्राजील में तैयार किया गया है। यह एसयूवी ब्रांड की सुरक्षा के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। टेरा की ब्राजील में डिलीवरी शुरू हो चुकी है। परीक्षण में इस्तेमाल मॉडल में 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल , सीट बेल्ट रिमाइंडर, बेल्ट प्रीटेंशनर, लोड लिमिटर और स्पीड असिस्ट सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर्स शामिल थे। एडल्ट ऑक्यूपेंट सेफ्टी में टेरा ने 89.88प्रतिशत स्कोर किया। ड्राइवर और फ्रंट पैसेंजर की सिर और गर्दन की सुरक्षा अच्छी रही, जबकि छाती की सुरक्षा ड्राइवर के लिए मामूली और यात्री के लिए अच्छी पाई गई। साइड इम्पैक्ट में सिर, पेट और श्रोणि की सुरक्षा बेहतरीन रही, जबकि छाती के लिए पर्याप्त सुरक्षा देखी गई। साइड पोल टेस्ट में भी इसी तरह के नतीजे मिले। टेरा ने यूएन आर 32 रियर इम्पैक्ट आवश्यकताओं को भी पूरा किया और ईबी सिटी टेस्ट में पूरे अंक प्राप्त किए। चाइल्ड ऑक्यूपेंट सेफ्टी में टेरा ने 87.25 प्रतिशत स्कोर किया। इसोफिक्स सिस्टम दोनों आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्रभावी रहा, हालांकि छाती की सुरक्षा कुछ हद तक सीमित थी। साइड इम्पैक्ट में दोनों डमी को पूर्ण सुरक्षा मिली। पैदल यात्री सुरक्षा में टेरा ने 75.77 प्रतिशत स्कोर किया। हालांकि विंडस्क्रीन और ए-पिलर की सुरक्षा कमजोर पाई गई, लेकिन अन्य क्षेत्रों में पर्याप्त से लेकर अच्छी सुरक्षा दर्ज की गई।

ब्रिट्स की नाबाद 98 रनों की पारी, दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को पहले टी20 में 50 रनों से हराया

केव हिल (बारबाडोस)

दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज़ तज़मिन ब्रिट्स ने शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए करियर की सर्वश्रेष्ठ 98 रनों की नाबाद पारी खेली और अपनी टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ शुक्रवार को पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 50 रन की बड़ी जीत दिलाई।

ब्रिट्स ने महज 63 गेंदों में 9 चौकों और 4 छक्कों की मदद से यह पारी खेली। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर सिर्फ 133 रन ही बना सकी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट और अनुभवी मैरिज़ान कैप पांच ओवर के अंदर ही पवेलियन लौट गईं, दोनों विकेट युवा गेंदबाज़ जाहज़ारा क्लैक्सटन ने लिए। हालांकि इसके बाद ब्रिट्स और नादिन डी क्लार्क ने तीसरे विकेट के लिए तेज़ 71 रनों की साझेदारी की। डी क्लार्क 21 रन बनाकर आउट हुईं।

हालांकि मध्यक्रम में कोई बड़ी पारी देखने को नहीं मिली, लेकिन क्लो ट्रायॉन ने 9 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली। अंत तक एक छोर संभालते हुए ब्रिट्स ने दक्षिण अफ्रीका को मज़बूत स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत तेज़ रही, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। पॉवरप्ले में टीम ने 47 रन बनाए, जो दक्षिण अफ्रीका से ज़्यादा थे, लेकिन 3 विकेट गंवा दिए, जिनमें कप्तान हेली मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। आठवें ओवर तक टीम के पांच विकेट गिर चुके थे। इसके बाद चिनेल हेनरी और जानीलिया ग्लासगो ने छठे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी कर कुछ संघर्ष जरूर दिखाया, लेकिन रन गति कम रहने के कारण वे लक्ष्य से बहुत पीछे रह गए। हेनरी ने 32 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि ग्लासगो 44 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाकर लौटीं।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से मैरिज़ान कैप ने 2 विकेट लिए, जबकि क्लैक्सटन ने वेस्टइंडीज के लिए 3 विकेट चटकाए, लेकिन उनकी कोशिश टीम को जीत नहीं दिला सकी।

स्कोरकार्ड संक्षेप में:

दक्षिण अफ्रीका: 183/6 (तज़मिन ब्रिट्स 98*, क्लैक्सटन 3/39)

वेस्टइंडीज: 133/6 (ग्लासगो 53*, कैप 2/27)

परिणाम: दक्षिण अफ्रीका ने 50 रन से जीत दर्ज की।

न्यूज़ ब्रीफ

लिवरपूल ने फ्लोरियन विर्ट्ज़ को बायर लेवरकुसेन से किया साइन

लंदन। प्रीमियर लीग चैंपियन लिवरपूल ने शुक्रवार को जर्मनी के स्टार फॉरवर्ड फ्लोरियन विर्ट्ज़ को बायर

लेवरकुसेन से साइन कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह डील 116 मिलियन पाउंड (करीब 156 मिलियन डॉलर) में हुई है, जो ब्रिटिश फुटबॉल इतिहास की सबसे महंगी डील बन गई है। 22 वर्षीय विर्ट्ज़ को यूरोपीय फुटबॉल के सबसे प्रतिभाशाली युवाओं में गिना जाता है। उन्होंने 2023/24 सीज़न में बायर लेवरकुसेन को न केवल क्लब के इतिहास का पहला बुंदेसलीगा खिताब जिताया, बल्कि जर्मन कप भी दिलाया – वो भी पूरे सीज़न एक भी मैच हारे बिना। साइनिंग के बाद विर्ट्ज़ ने कहा, मैं बहुत खुश और गर्व महसूस कर रहा हूं। लंबे समय से इंतज़ार कर रहा था और अब जब यह पूरा हो गया है, तो यह मेरे लिए बहुत खास है। उन्होंने आगे कहा,मेरे लिए यह एक नया रोमांचक अध्याय है। मैं कुछ नया चाहता था – बुंदेसलीगा से बाहर निकलकर प्रीमियर लीग में कदम रखना चाहता था। मैंने कुछ ऐसे खिलाड़ियों से बात की जो यहां खेल चुके हैं, उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए एकदम सही जगह है। हर मैदान पर खेलने में मजा आता है और मैं अपने पहले मैच का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। विर्ट्ज़ के पास लेवरकुसेन के साथ अब भी दो साल का कॉन्ट्रैक्ट बाकी था, लेकिन उन्हें बायर्न म्यूनिख और मैनचेस्टर सिटी से भी जोड़कर देखा जा रहा था। खासकर सिटी उन्हें केविन डी ब्रुएना के संभावित विकल्प के तौर पर देख रही थी। फ्लोरियन विर्ट्ज़ लिवरपूल के नए मैनेजर आर्ने स्लॉट की दूसरी बड़ी गर्मियों की साइनिंग हैं। वह लेवरकुसेन के पूर्व साथी जेरेमी फ्रिमपोंग से एक बार फिर जुड़ेंगे, जिन्हें क्लब पहले ही साइन कर चुका है। इस डील से यह साफ हो गया है कि लिवरपूल नए युग की शुरुआत करने जा रहा है – युवा, ऊर्जावान और खिताबों के लिए बेताब।

ट्रांसजेंडर एथलीटों पर दिया ट्रंप का बयान सुर्खियों में, मचा विवाद

वाशिंगटन। हाल ही में इटली के मशहूर फुटबॉल क्लब जुवेंटस के खिलाड़ी जब व्हाइट हाउस पहुंचे तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर ऐसा सवाल पूछ लिया, जिससे माहौल असहज हो गया। इस बयान को लेकर डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने विवादास्पद बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। क्लब वर्ल्ड कप में भाग लेने अमेरिका आए जुवेंटस खिलाड़ियों की मुलाकात के दौरान ट्रंप ने उनसे महिलाओं की भागीदारी पर सवाल कर सबको चौंका दिया। ट्रंप ने जुवेंटस को एक महान टीम कहकर संबोधित किया, लेकिन इसके तुरंत बाद उन्होंने पूछ लिया, क्या कोई महिला आपकी टीम में खेल सकती है, दोस्तों इस अप्रत्याशित सवाल पर खिलाड़ी असहज हो गए और हल्की मुस्कान के साथ चुप्पी साध ली। वीडियो में देखा गया कि खिलाड़ी एक-दूसरे को हैरानी से देख रहे हैं। इस दौरान फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो भी वहां मौजूद थे। ट्रंप ने दोबारा वही सवाल दोहराया, जिस पर जुवेंटस के जनरल मैनेजर डेमियन कोमोली ने जवाब दिया, हमारी एक बहुत अच्छी महिला टीम है। वह जुवेंटस वीमेन की बात कर रहे थे, जो फिलहाल इटली की सीरीए महिला चैंपियन है।

विराट कोहली पर परोक्ष कटाक्ष को लेकर संजय मांजरेकर आलोचना के शिकार

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मौजूदा कमेंटेटर संजय मांजरेकर एक बार फिर अपने बयान को लेकर

सुर्खियों में हैं। लीड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच के दौरान मांजरेकर ने कमेंट्री के दौरान कुछ ऐसा कहा, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि उन्होंने बिना नाम लिए विराट कोहली पर निशाना साधा है। भारत की पारी के दौरान जब स्कोर 77 रन बिना किसी नुकसान के था, केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल क्रीज पर मौजूद थे और इंग्लिश गेंदबाज ब्रायडन कार्से ने राहुल को कवर ड्राइव खेलने के लिए ललचाया। गेंद स्टंप से दूर थी, लिहाजा राहुल ने समझदारी दिखाते हुए गेंद को छोड़ दिया। इस पर मांजरेकर ने कमेंट करते हुए कहा, यह आपके सामने एक और उदाहरण है। राहुल की जगह अगर यहां कोई पूर्व बल्लेबाज होता, तो इस ललचाने वाली गेंद पर शॉट खेलने की कोशिश जरूर करता और फिर मुश्किल में पड़ता। उनके इस बयान को विराट कोहली से जोड़ा जाने लगा, क्योंकि कोहली के आउट होने का यह तरीका हाल के वर्षों में अक्सर देखा गया है। सोशल मीडिया पर फैंस ने तुरंत मांजरेकर को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वह बार-बार कोहली को निशाना बनाकर बयान देते हैं, जो अनुचित है। मैच की बात करें तो भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहले दिन का खेल पूरी तरह अपने नाम कर लिया। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पहले विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी की।

कल्याण चौबे का भूटिया पर पलटवार

भूटिया ने जानबूझकर एआईएफएफ की छवि को धूमिल करने के लिए लगाए बेबुनियाद आरोप

नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शुक्रवार को पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया के हालिया आरोपों पर कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने भूटिया के बयानों को निराधार और संगठन की छवि को खराब करने वाला बताया है।

गौरतलब है कि बाईचुंग भूटिया ने कलकत्ता स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स क्लब में शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान कल्याण चौबे पर राजनीतिक लाभ के लिए एआईएफएफ के पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था, यह पहली बार है जब एआईएफएफ का कोई अध्यक्ष राजनीतिक लाभ के लिए विपक्षी नेता को पद की पेशकश कर रहा है। इससे न केवल एआईएफएफ के अध्यक्ष पद की गरिमा घटी है, बल्कि इससे उनकी पार्टी की छवि भी खराब हो रही है।

भूटिया ने आगे कहा कि 2022 में हुए एआईएफएफ चुनावों के दौरान जिन लोगों ने चौबे का समर्थन किया था, वे अब पछता रहे हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर आगामी चुनाव निष्पक्ष और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होंगे, तो वे फिर से चुनाव लड़ने पर विचार कर सकते हैं। भूटिया ने एआईएफएफ और इसके मार्केटिंग पार्टनर एफएसडीएल (फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड) के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट को लेकर हुई बातचीत की आलोचना करते हुए कहा, जो लोग एफएसडीएल से डील करने जा रहे हैं, वे सिर्फ चाय-पिज्जा खाकर वापस आ रहे हैं। उन्हें खुद यह नहीं पता कि उन्होंने प्रस्ताव में क्या रखा।

उन्होंने पूर्व गोलकीपर सुब्रत पॉल को

राष्ट्रीय टीम के डायरेक्टर बनाए जाने और कोच मनोलो मार्केज़ के ऊपर निगरानी रखने को भी हास्यास्पद करार दिया।

उन्होंने कहा,आप एक सफल कोच लाते हैं और फिर एक खिलाड़ी को उस पर निगरानी के लिए बैठा देते हैं, यह उस कोच का अपमान है,

ओसीआई (विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों) खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने के मुद्दे पर भूटिया ने कहा कि यह विचार नया नहीं है और पहले भी प्रयास किए गए हैं, लेकिन यह सरकारी नीति पर निर्भर करता है।

उन्होंने कहा, कल्याण चौबे पिछले तीन साल में इस दिशा में कोई प्रयास नहीं कर सके और अब अचानक ओसीआई पर बात करने लगे हैं। यह सिर्फ अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश है।

एआईएफएफ अध्यक्ष चौबे का पलटवार

बाईचुंग के आरोपों के बाद एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने आधिकारिक बयान जारी कर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जहां हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। एआईएफएफ कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भूटिया के पास यह मंच मौजूद है कि वे बैठक में अपनी बात रखें, सुझाव दें और रचनात्मक योगदान करें।

चौबे ने कहा, यह देखा गया है कि सितंबर 2022 के चुनाव में हार के बाद से भूटिया लगातार बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं और एआईएफएफ की छवि को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं। यह न केवल संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फुटबॉल की साख को भी प्रभावित करता है।

उन्होंने आगे कहा, एआईएफएफ हमेशा भूटिया के सुझावों के लिए खुला है, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अधिकांश कार्यकारी समिति बैठकों में उनका ध्यान केवल विरोध करने पर रहा है, न कि ठोस प्रस्ताव देने पर।

भविष्य में सुप्रीम कोर्ट द्वारा एआईएफएफ के नए संविधान को लेकर फैसला आने की संभावना है, जिसके बाद महासंघ में नए चुनाव हो सकते हैं। ऐसे में भारतीय फुटबॉल की गवर्निंग बॉडी में एक बार फिर सियासी गर्मी देखने को मिल सकती है।

स्कॉटलैंड ने नेपाल को 34 रन से हराकर त्रिकोणीय टी 20 सीरीज जीता

ग्लासगो

त्रिकोणीय टी20 सीरीज के अंतिम मुकाबले में स्कॉटलैंड ने नेपाल को 34 रन से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस सीरीज में नीदरलैंड्स भी शामिल था और तीनों टीमों ने चार में से दो मुकाबले जीते, लेकिन स्कॉटलैंड ने बेहतर नेट रन रेट के दम पर सीरीज जीत ली।

मैच में स्कॉटलैंड की शुरुआत आक्रामक रही। ओपनर जॉर्ज मुंसी और नंबर 3 बल्लेबाज ब्रैंडन मैकमुलेन के बीच 100 रन की साझेदारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। मुंसी ने 39 गेंदों पर 78 रन बनाए, जिसमें उन्होंने कई चौके और छक्के जड़े। वहीं मैकमुलेन ने 42 रनों का योगदान दिया। स्कॉटलैंड ने 10 रन प्रति ओवर की गति से रन बनाते हुए कुल 193/5 का स्कोर खड़ा किया। अंत में माइकल लिस्क (26*) और मैथ्यू क्रॉस (17*) ने अंतिम तीन ओवरों में 35 रन जोड़कर स्कोर को मजबूती दी।

नेपाल की शुरुआत लड़खड़ाती रही और 5.1 ओवर में ही उसके चार विकेट गिर चुके थे। कुशल भुर्टेल पहले ही ओवर में आउट हो गए, जबकि भीम शार्की और आरिफ शेख को सफयान शरीफ ने पवेलियन भेजा। आसिफ शेख रन आउट हो गए। हालांकि दीपेंद्र सिंह ऐरी ने नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 34 रन बनाए और कुछ समय तक संघर्ष किया। इस मैच में वह नेपाल के सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी बने।

लेकिन ऐरी के आउट होते ही नेपाल की उम्मीदें भी लगभग खत्म हो गईं। लेग स्पिनर क्रिस ग्रीव्स ने 3 विकेट झटकते हुए नेपाल की कमर तोड़ दी। उन्होंने ऐरी के अलावा संदीप लामिछाने और रिजन ढकाल को भी आउट किया। हालांकि निचले क्रम पर रुपेश सिंह ने 22 गेंदों में 43 रनों की तेज पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई सहयोग नहीं मिला और नेपाल की पूरी टीम 19वें ओवर में 159 रन पर सिमट गई।

बर्लिन में डब्ल्यूटीए टूर

बर्लिन में डब्ल्यूटीए टूर में महिला एकल क्वार्टरफाइनल टेनिस मैच के दौरान कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना को गेंद लौटाती बेलारूस की आर्यना सबालेंका।

केएल राहुल ने पंत के आगे जोड़े हाथ पंत की छक्के से हुई दिन की समाप्ति

भारत पहले दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट के नुकसान पर 359 रन

नई दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन टीम इंडिया ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। भारत ने दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट के नुकसान पर 359 रन बना लिए। इस शानदार स्कोर में यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के शतक अहम रहे, वहीं ऋषभ पंत ने नाबाद 65 रन की पारी खेलते हुए अपने अंदाज में खेल का समापन किया। पंत ने दिन के आखिरी ओवर की पहली गेंद पर ही क्रिस वोक्स की गेंद पर आगे बढ़कर छक्का जड़ दिया, जिससे सभी चौंक गए। आमतौर पर बल्लेबाज दिन के अंतिम ओवर में सतर्कता बरतते हैं, लेकिन पंत का आत्मविश्वास और आक्रामकता देखने लायक थी। उनका यह शॉट इंग्लिश खिलाड़ियों को हैरान कर गया। जब शुभमन गिल और ऋषभ पंत दिन का खेल समाप्त कर ड्रेसिंग रूम की ओर लौटे, तो टीम के अन्य खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने खड़े होकर उनका स्वागत तालियों से किया। खास बात यह रही कि सीढ़ियों के पास खड़े केएल राहुल ने पंत के आगे हाथ जोड़ दिए, जैसे उनके जज्बे को सलाम कर रहे हों। यह पल दर्शाता है कि पंत का अंदाज टीम के भीतर भी कितना सम्मान पाता है। मैच की शुरुआत भी भारत के लिए सकारात्मक रही। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने मिलकर पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़े। राहुल 42 रन बनाकर ब्रायडन कार्से की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद डेब्यू कर रहे साई सुदर्शन बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। यशस्वी जायसवाल ने एक और शतक जड़ते हुए 101 रनों की शानदार पारी खेली, जिसे स्टोक्स ने खत्म किया। इसके बाद शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने मोर्चा संभाला और इंग्लैंड को कोई और सफलता नहीं दी। गिल 127 रन बनाकर नाबाद हैं और पंत उनके साथ 65 रन पर टिके हुए हैं।

नीरज चोपड़ा ने दो साल बाद जीता पहला डायमंड लीग खिताब

पेरिस/नई दिल्ली

भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर विश्व मंच पर अपना लोहा मनवाया। उन्होंने पेरिस के शारलेती स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग मीट में शुक्रवार (भारतीय समयानुसार शनिवार) को शानदार प्रदर्शन करते हुए दो साल बाद अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता।

नीरज ने अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर दूर भाला फेंककर बढ़त बना ली, जो अंत तक कायम रही और उन्हें विजेता घोषित किया गया। यह उनके सीजन का दूसरा डायमंड लीग इवेंट था। इससे पहले उन्होंने मई में दोहा में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने पहली बार 90 मीटर की दूरी पार करते हुए 90.23 मीटर भाला फेंका था, जो उनका

व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है।

जर्मनी के जूलियन वेबर, जिन्होंने नीरज को इस साल दोहा डायमंड लीग और पोलैंड में जनुज़ कुशोचिंस्की मेमोरियल में हराया था, इस बार 87.88 मीटर की दूरी के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ब्राजील के लुइज मौरिसियो दा सिल्वा ने 86.62 मीटर का प्रयास कर तीसरा स्थान हासिल किया और अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अमेरिका का नया रिकॉर्ड भी बनाया।

ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स, जिनसे कड़ी टक्कर की उम्मीद थी, 80.29 मीटर की सर्वश्रेष्ठ कोशिश के साथ पांचवें स्थान पर रहे। वहीं त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशोर्न वॉलकॉट ने 81.66 मीटर फेंककर चौथा स्थान प्राप्त किया। नीरज के लिए यह पेरिस डायमंड लीग में आठ साल बाद वापसी थी। पिछली बार वह 2017 में एक जूनियर वर्ल्ड चैंपियन के रूप में इस प्रतियोगिता में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने 84.67 मीटर भाला फेंककर पांचवां स्थान हासिल किया था। नीरज चोपड़ा का अगला मुकाबला अब 24 जून को चेक गणराज्य में होने वाले ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 एथलेटिक्स मीट में होगा। इसके बाद 5 जुलाई को वह बेंगलुरु में %नीरज चोपड़ा क्लासिक के पहले संस्करण की मेज़बानी करेंगे, जो वर्ल्ड एथलेटिक्स की कैटेगरी-ए की प्रतियोगिता है।

इंग्लैंड में चला पंत का बल्ला, फैंस ने आईपीएल की लखनऊ टीम के मालिक को घेरा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन ऋषभ पंत ने शानदार फिफ्टी लगाई। वह अब भी क्रीज बने हुए हैं और दूसरे दिन खेल की शुरुआत करेंगे। आईपीएल में फ्लॉप होने वाले पंत का बल्ला टेस्ट मैच में चमका। फैंस ने इस शानदार पारी के बीच लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका को घेरा जिन्होंने पंत को आईपीएल में खरीदने के लिए 27 करोड़ खर्च किए थे। गोयनका साहब देख रहे हैं न, ये 27 करोड़ का शॉट कहां खेला जा रहा पंत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें वह इंग्लैंड में बेहतरीन शॉट्स लगा रहे हैं। एक यूजर ने कॉमेंट में लिखा- गोयनका साहब देख रहे हैं न, ये 27 करोड़ का शॉट कहां खेला जा रहा है। बेशक फैन का यह कॉमेंट आईपीएल से जोड़ा गया है। संजीव गोयनका ने बड़ी उम्मीदों से 27 करोड़ की ऊंची बोली लगाकर पंता खरीदा था। पंत का ये सीजन उनके आईपीएल करियर का सबसे बुरा रहा। 14 मैच में 14 पारी में वह सिर्फ 202 रन ही बना पाए। लखनऊ सुपरजायंट्स को वह प्लेऑफ के लिए भी क्वालीफाई नहीं करवा पाए। बता दें टीम इंडिया ने कप्तान शुभमन गिल के नाबाद 127 रन और यशस्वी जायसवाल के 101 रन की मदद से शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के पहले दिन तीन विकेट पर 359 रन बना लिए थे।

ये आदतें नष्ट कर देती हैं शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता

आदतें ही होती हैं जो हमारे जीवन, सेहत और चरित्र आदि का निर्माण करती हैं। स्वस्थ रहने के लिए आपको एक आदर्ष जीवशैली और अच्छी आदतों का पालान करना होता है। जिसमें नियमित व्यायाम व पौष्टिक आहार आदि शामिल होते हैं। इस तरह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और शरीर रोगों से दूर रहता है। वहीं हमारी जीवनशैली से जुड़ी खराब आदतें हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं। लेकिन कुछ खराब आदतें ऐसी भी होती हैं, जिनसे शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता खतम हो जाती है।

अकसर जाने-अनजानें हमारी कई आदतें हमें कई रोगों की ओर ढ़केल देती हैं। इन आदतों के चलते शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और शरीर बीमारियों से लड़ नहीं पाता है और बीमारियों के बैक्टीरिया और वाइरस शरीर की प्रणाली पर हमला कर आसानी से उसे खराब करने लगते हैं। इसमें से कई आदतों के बारे में तो हमें पता ही नहीं चलता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता कम करने वाली आदतें

- लगातार देर तक धूप में रहने से इम्यून पावर कमजोर हो सकती है। यूं तो सुबह की ताजी सूरज की रोशनी से शरीर को विटामिन डी मिलता है जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है लेकिन बहुत ज्यादा तेज धूप में रहने से त्वचा को नुकसान हो सकता है और त्वचा कैंसर तक की समस्या हो सकती है।
- बहुत ज्यादा तनाव से भी रोग प्रतिरोधक क्षमता घटने लगती है। तनाव होने पर शरीर में कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है जिससे इम्यूनिटी तो कमजोर होती ही है, साथ ही पाचन क्रिया भी पूरी तरह से गड़बड़ा जाती है।
- साफ-सफाई के प्रति लचर व्यवहार भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को नाकारात्मक तरीके से प्रभावित करता है। शरीर का साफ-सफाई पर ध्यान ना देने से हानिकारक कीटाणु शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। जिससे कई बीमारियों और इंफेक्शन हो जाते हैं। साथ ही बहुत ज्यादा शराब का सेवन या धूम्रपान भी शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है।
- जाने-अनजाने में ही सही लेकिन खाने की गलत आदतें और बदपरहेजी धीरे धीरे रोग प्रतिरोधक त्क्षमता को खत्म करती हैं और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का कारण भी बन सकती हैं। एक ताजा शोध के अनुसार तो डिब्बाबंद और माइक्रोवेव में बनाए खाद्य को खाने से कैंसर सहित कई गंभीर बीमारी हो सकती हैं। इसके अलावा पर्याप्त नींद न लेने से ये दिमाग व पाचन क्रिया को सीधे-सीधे प्रभावित करती है। और इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घटती है। इसलिए समय से सोएं और पूरी नींद लें। नियमित एक्सरसाइज करें और अच्छा भोजन करें। इस तरह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी और रोग आपको छू भी नहीं पाएंगे।

लैवेंडर तेल और बर्न्स - क्या फायदे हैं?

लैवेंडर तेल के उपयोग करने का मुख्य लाभ, प्राकृतिक रूप से त्वचा के जलने का उपचार है। हालांकि बाजार में कई तरह की बर्न क्रीम मिलती है, लेकिन उनमें से ज्यादातर में हानिकारक केमिकल मौजूद होते हैं। अगर आप अपने स्वास्थ्य और भलाई की परवाह करते हैं तो आवश्यक तेल जैसे लैवेंडर त्वचा के जलने के उपचार के लिए एक बढ़िया घरेलू उपाय हो सकता है।

मोटापा कम करने के लिए मुद्राएं

मोटापा ऐसी समस्या है जो अपने साथ कई तरह की बीमारी लेकर आती है। समय रहते काबू पाना बहुत जरूरी है। मोटापा कम करने में योग बहुत कारगर होता है। योगासनों के जरिए आप आसानी से मोटापा कम कर सकते हैं। मोटापे को दूर करने के लिए पृथ्वी मुद्रा का प्रयोग किया जाता है। और दूसरी मुद्रा है अपान वायु मुद्रा। इनका अभ्यास नियमित रूप से कम से कम 15 से 45 मिनट तक करेंगे, तभी इनका फायदा मिलेगा।

खुशखबरी देने का सही समय है बारहवां हफ्ता

गर्भावस्था का बारहवां हफ्ता यानी गर्भवर्ती महिला दूसरी तिमाही में प्रवेश करने वाली है। अब गर्भपात का जोखिम न के बराबर है। यदि मां बनने वाली महिला दोस्तों और रिश्तेदारों को यह खुशखबरी नहीं दी है तो अब उन्हें यह खबर दे सकती हैं। दूसरी तिमाही में प्रवेश करने पर महिलाएं राहत महसूस करती हैं। अब उन्हें जल्द ही मां बनने का अहसास मन ही मन खुशी देता है। इस समय कुछ महिलाओं का बेबी बंप दिखाई देने लगता है, जब्कि कुछ का दिखाई भी नहीं देता। यदि गर्भवर्ती महिला के अंदर कोई शारीरिक बदलाव नहीं हो रहा तो परेशानी होने की काई बात नहीं है। आंतरिक परिवर्तन लगातार जारी हैं।

बच्चे का विकास

दूसरी तिमाही में प्रवेश कर लिया है, अब बच्चे के विकास में तेजी आएगी। मस्तिष्क हार्मोन का उत्पादन शुरू करेगा और तंत्रिका कोशिकाएं भी जल्द बढ़ेंगी। गर्भ में पल रहा शिशु तरल पदार्थ को चूसना और आहार को निगलना शुरू कर देगा। सब कुछ सही रहने पर शिशु की लंबाई और आकार में परिवर्तन होता रहेगा।

बच्चे की मुट्ठी, खोलने और बंद करने की प्रक्रिया भी अब शुरू होने लगती है। समय समय पर बच्चे के होठ और भौंहे सिकुड़ने लगते हैं। आंखें और कान चेहने के अनुपात में विकसित होने शुरू हो जाता हैं। हफ्तों और महीनों का समय बीतने के साथ शिशु की बनावट में और भी बदलाव आने लगता है।

शरीर में परिवर्तन

गर्भावस्था के बारहवें सप्ताह के दौरान बच्चे की स्थिति में होने वाले परिवर्तन के कारण गर्भाशय के आकार में भी परिवर्तन दिखाई देगा। अब मां का पेट पहले से बड़ा होना शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही वजन में दो से तीन पाउंड की वृद्धि हो जाएगी। त्वचा के रंग में भी कुछ परिवर्तन होगा। यदि त्वचा पर दाग हैं तो ये गर्भावस्था के दौरान और गहरे हो सकते हैं। कुछ महिलाओं में पेट के केंद्र से एक गहरे रंग का रेशा दिखाई देना शुरू हो सकता है, यह शिशु के जन्म के बाद गायब भी हो सकता है।

हर महिला के गर्भावस्था के दौरान अलग-अलग लक्षण होते हैं, इसलिए यदि किसी महिला के लक्षण किसी से भिन्न हैं तो चिंता की बात नहीं है। गर्भावस्था के बारहवें सप्ताह में मां बनने वाली महिला के दिल में जलन भी अधिक हो सकती है। इसमें कमी लाने के लिए दिन भर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में आहार लें। चिकित्सक से ऐसे खाद्य पदार्थ के बारे में जानकारी करें, जिनके सेवन से दिल में जलन न हो। यह समय मोलर गर्भावस्था का हो सकता है। इस समय नाल ठीक से विकसित नहीं होती। धब्बे या योनि से खून बहता दिखाई दे सकता है। इस तरह की परेशानी होने पर बिना किसी लापरवाही के चिकित्सक से परामर्श करें। इस तरह की परेशानी गर्भपात का कारण भी बन सकती है।

क्या उम्मीद की जाती है

दूसरी तिमाही में जाने पर गर्भपात का जोखिम काफी कम हो गया है। सुबह को होने वाली परेशानी, थकान और मितली जैसी दिक्कतें भी कम होंगी। पहले से अच्छा महसूस कर रही होगी। आपके हार्मोन बच्चे के विकास के साथ समायोजन कर रहे हैं और सब अच्छी तरह से चल रहा होना चाहिए। त्वचा सूर्य के प्रकाश के प्रति अतिसंवेदनशील बनी महसूस हो सकती है। इस समय त्वचा पर दाग या काले धब्बे बन सकते हैं। धूप में जाने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल फायदेमंद रहेगा। संतुलित आहार योजन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं रखें। जो महिलाएं पहले गर्भवती रह चुकी हैं, उनसे बात करें और उनके अनुभवों को जानने की कोशिश करें। अपने और बच्चे के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए समय-समय पर चिकित्सक से मिलते रहें।

सुझाव / सलाह

सफलता पूर्वक पहली तिमाही पूरी कर ली है। अब दूसरी तिमाही की शुरूआत हो चुकी है। पहले के मुकाबले शारीरिक व मानसिक रूप से बेहतर महसूस कर रही हैं। यदि आने वाले दिनों में गर्भवर्ती महिला को यात्रा करने का विचार बन रहा है तो उसके लिए यह समय बेहतर है। सुबह को होने वाली परेशानी से भी राहत मिलेगी। दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने वाली बधाईयां आपकी खुशी को दोगुना कर देंगी। अन्य महिलाओं की गर्भावस्था के दौरान की बातों को सुनकर उनसे अपने अनुभवों की तुलना न करें। जरूरी नहीं कि हर महिला की गर्भावस्था के दौरान का अनुभव एक जैसा ही हो। यदि इस सबके बाद मन में अगर कोई प्रश्न है तो चिकित्सक से परामर्श करना अच्छा रहेगा।

गर्भावस्था के बारहवें हफ्ते में

- पहली तिमाही के मुकाबले गर्भवर्ती महिला को कम थकान और मितली भी कम आएगी। इस समय कोशिश करें कि तनाव न लें। इससे ऊर्जा स्तर में वृद्धि होगी।
- अब एरोबिक्स एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में लागू कर सकती हैं। इसके लिए यह सही समय है।
- अपनी दिनचर्या में हल्की एक्सरसाइज को शामिल करें, इससे मां और गर्भस्थ शिशु दोनों ही स्वस्थ रहेंगे।

कैंसर से लड़ने में मददगार हैं ये जादुई फूल

कैंसर रोग पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी समस्या बना हुआ है। कैंसर के तेजी से बढ़ते मामले और जटिल इलाज के चलते लोगों के लिए यह रोग काफी डरावना बन चुका है। इसका बारे में बात करने से भी लोग घबराते हैं। शोध बताते हैं कि कैंसर दुनिया भर में हर साल हज़ारों मौतों का कारण बनता है। यह दरअसल शरीर में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि होती है, जो ऊतकों को मार देती हैं और अंततः शारीरिक प्रणाली को नष्ट कर देती हैं। कैंसर मानव प्रणाली के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है। कैंसर के सबसे आम प्रकार में स्तन कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, पेट के कैंसर, ल्यूकेमिया, प्रोस्टेट कैंसर व लिम्फोमा आदि शामिल होते हैं। लेकिन ऐसा भी माना जाता है कि कुछ प्राकृतिक औषधियों की मदद से भी कैंसर का इलाज किया जा सकता है। चलिए इस विषय के बारे में विस्तार से जानने का प्रयास करते हैं। जैसे कि माना जाता है कि डेंडलाइन का फूल कैंसर के उपचार में मददगार होता है।

कैंसर का इलाज: हालांकि कैंसर के कई प्रकारों का इलाज करना संभव होता है, लेकिन इस बीमारी के दोबारा होने का भी बड़ा जोखिम रहता है, जिसके चलते ये बीमारी और भी घातक हो जाती है। इस रोग के साथ इलाज के स्थायी होने की कोई गारंटी नहीं होती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य संगठनों और अनुसंधान केन्द्रों द्वारा कैंसर के लिए एक स्थायी समाधान खोजने के प्रयास में हर साल लाखों-करोड़ों रुपए खर्च किया जा रहे हैं। हालांकि कैंसर के इलाज के लिये दवाएं, कीमो थेरेपी तथा जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन आदि कि मदद से कैंसर के उपचार और बचाव को प्रभावी बनाया जा सकता है। ऐसा भी माना जाता है कि कैंसर के उपचार और रोकथाम के लिए प्राकृतिक नुस्खों की मदद भी ली जा सकती है। डेंडलाइन का फूल जिसे कामफूल के नाम से भी जाना जाता है, के फूल के बारे में भी ऐसा माना जाता है कि इसमें कैंसर से लड़ सकने वाले असाधारण औषधीय गुण होते हैं।

कैंसर से लड़ने की क्षमता: डेंडलाइन का फूल, खासतौर पर इसकी जड़ में असंख्य विटामिन और खनिज होते हैं, जोकि मानव प्रणाली को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक होते हैं। डेंडलाइन का फूल विटामिन डी, सी और बी, आयरन, सिलिकॉन, जिंक व पोटेशियम आदि पोषक तत्वों का शरीर में संचार करता है। इन सबके मनुष्य के लिए विभिन्न स्वास्थ्य लाभ होते हैं। यह फूल कोशिकाओं को पोषण देता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। इसके साथ - साथ डेंडलाइन कब्ज, गुर्दे और यकृत रोग, पीलिया, वायरल फ्लू, आदि को भी दूर कर सकता है। यह फूल नई बनी मां के दूध का उत्पादन भी कुशलता से बढ़ा सकता है। डेंडलाइन के फूल को एक उत्कृष्ट रक्त शोधक भी माना जाता है, जो कि चयापचय दर को ठीक बनाए रखने और रक्त विकारों को रोकने में मदद करता है। इस सभी स्वास्थ्य लाभों के साथ डेंडलाइन में कैंसर से लजडने की काबिलियत बी होती है।

विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों से पता चलता है कि डेंडलाइन की जड़ में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कर सकने वाले गुण होते हैं।

जानें पोकवीड केब हर्ब्स के गुणों के बारे में

पोकवीड एक बारहमासी जड़ीबूटी है, जो पूर्वी उत्तर अमेरिका का मूल निवासी है और दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है। इसके बेरीज् और सूखी जड़ों का इस्तेमाल हर्बल उपचार में किया जाता है। पोकवीड सप्लीमेंट अर्क, टिंचर, पाउडर और पुलटिस के रूप में उपलब्ध है। पोकवीड के लिए कोई मानक खुराक निश्चित नहीं हैं।

पोकवीड के गुण

पोक एंटीबायोटिक, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-रूमेटिक, एंटी-स्कर्वीजनक, एंटी-सिफिलिटिक और एंटी-ट्यूमर के रूप में कार्य करता है। इस संयंत्र के कुछ हिस्सों जैसे बेरीज् और जड़ों को हर्बल उपचार के लिए उपयोग किया जाता है। पोकवीड एक तीखी कड़वी जड़ी-बूटी है जो प्रतिरक्षा और लसीका प्रणालियों के कार्य में मददगार होती है।

बीमारियों के लिए पोकवीड

पोकवीड की जड़ का इस्तेमाल दर्दनाक मसल्स, जोड़ों (गठिया) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही यह नाक, गला, और सीने में सूजन के अलावा टांसिलाइटिस, कर्कश गले, लसीका ग्रंथियों की सूजन, ब्रेस्ट में दर्द और सूजन किया जाता है। परंपरागत रूप से, हालांकि, पोकवीड जड़ का इस्तेमाल कभी कभार ही करना चाहिए। अमेरिका के मूल निवासी पोकवीड का चिकित्सा के रूप में इसकी जड़ का सबसे आम उपयोग उल्टी को प्रेरित करने के लिए रेचक के रूप में होता है। बेरीज् को भोजन में रंग एजेंट के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है, और वास्तव में अभी भी खाद्य उद्योग में इसका प्रयोग किया जाता है। जब इसे कच्चा खाया जाता है तो संयंत्र द्वारा उत्पादित एंजाइम जैसे लेक्टिंस लाल रक्त कोशिकाओं आपस में जुड़ जाती है। लेक्टिंस चिपकने वाले प्रोटीन हैं। ऐसे लेक्टिंस जो ब्लड टाइप के साथ मेल नहीं खाते, शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। भोजन से आने वाले कई लेक्टिंस हानिकारक नहीं होते हैं, लेकिन थोड़ा बहुत असर होता है। अगर ये लेक्टिंस ब्लड ग्रुप के साथ मेल नहीं खाता, तो शरीर में जलन, सूजन हो सकती है। पोकवीड को अवसादरोधी दवाओं, डिसुलफिरम, ओरल गर्भ निरोधकों और प्रजनन की दवाएं ले रहे लोगों को द्वारा प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। हमेशा किसी भी जड़ी बूटियों ककी लेने से पहले अपने चिकित्सक और फार्मासिस्ट बताओ।

महिलाओं के लिए पोकवीड

पोकवीड महिलाओं की कई विशिष्ट बीमारियों को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एंडोमेट्रिओसिस, पोकवीड के निर्धारित उपयोग के साथ हटाया जा सकता है। पीरियड्स से पहले ब्रेस्ट और पेट में दर्द को भी इसके इस्तेमाल से दूर किया जा सकता है। पोकवीड की जड़ में थोड़ी सी मात्रा मे तेल मिलाकर पेट पर हल्के हाथों से रगड़ने से आराम मिलता है। वैकल्पिक रूप से टिंचर की कम खुराक इस्तेमाल की जानी चाहिए। इन्टर्स्टिशल सिस्टाइटिस एक और भड़काऊ बीमारी है जिसे इसी टिंचर से ठीक किया जा सकता है। बवासीर के दर्द को भी इसकी जड़ों के सत्व से ठीक किया जा सकता है।

पोकवीड को इस्तेमाल कैसे करें

परंपरागत रूप से, पोकवीड के लाल पत्तों को लाकर पानी में उबलकर, अच्छे से निचोड़कर निकाल लें। फिर एक बार और उबला लें। ऐसा कम से कम तीन बार करना चाहिए और हर बार पानी को बाहर फेंक देना चाहिए। इन उबले हुए पत्तों का इस्तेमाल सलाद के रूप में या चाय के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा, यंग शूट को शतावरी के विकल्प के रूप में भी खाया जा सकता है। बेरीज् से रेड जूस निकाल कर फिर इसे पकाया जाता है। इस जूस का इस्तेमाल पाइ बनाने के लिए किया जाता है। इसका इस्तेमाल अन्य जूस में जेली बनाने के लिए भी किया जाता है। पोकवीड के किसी भी हिस्से को कच्चा, असंसाधित नहीं खाया जा सकता है।

अर्थराइटिस

पुराने दिनों से, रूमेटाइड अर्थराइटिस से जुड़े दर्द और सूजन को दूर करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए टिंचर उपयोगी है। वैकल्पिक रूप से एक या दो सूखी बेरी लेकर उसे पूरा ही खा लें। बहुत कम मात्रा में टिंचर का इस्तेमाल सिर दर्द को कम करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए।

प्रतिरक्षा प्रणाली में मजबूती

पोकवीड में प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित रोगों के इलाज की क्षमता भी होती है, क्योंकि इसमें एंटी एड्स दवा के गुण और क्षमता होती है। यह प्रचुर मात्रा में टी-कोशिकाओं पर परस्पर प्रभाव डाल प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

श्वसन संक्रमण का इलाज

पोकवीड के काढ़े का सामान्यत गले में दर्द और टांसिलाइटिस, ग्रसनीशोथ, अपच जैसे श्वसन संक्रमण के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है, यह ग्रंथियों की सूजन और पुराने संक्रमण के इलाज में भी कारगर है।

कैंसर का इलाज

जल्द ही पोकवीड ने कैंसर का इलाज करने की क्षमता हासिल कर लोक्रिपयता प्राप्त कर ली है, विशेष रूप से स्तन और गर्भाशय के कैंसर के लिए। शोधों से पता चला है कि कैंसर की प्राकृतिक चिकित्सा के लिए यह जड़ी-बूटी बहुत ही फायदेमंद है। पोक की जड़ एंटीटॉक्सिन थेरेपी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो कुछ प्रकार के ट्यूमर विकास में बाधा उत्पन्न करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

रेसिपी

बटर गार्लिक फ्राइड राइस

सामग्री

दो कप पके हुए चावल, लहसुन की 6 कलियां बारीक कटी हुईं, आधा कप हरा लहसुन बारीक कटा हुआ, एक प्याज बारीक कटा हुआ, एक बड़ी चम्मच फ्रेंच बींस बारीक कटी हुईं, आधा कप पत्तागोभी बारीक कटी हुई, आधा कप फूलगोभी बारीक कटी हुई, एक गाजर छीलकर कद्दूकस कर लें, एक बड़ा चम्मच लहसुन का पेस्ट, दो बड़े चम्मच मक्खन, स्वादानुसार नमक

विधि

गैस पर नॉन स्टिक पैन में मक्खन गर्म करें। इसमें लहसुन और प्याज डालकर मध्यम आंच पर एक मिनट तक फ्राई करें। अब पैन में फ्रेंच बींस, फूलगोभी, पत्तागोभी, गाजर और नमक डालकर मिक्स करें। अब पके चावल, लहसुन का पेस्ट और थोड़ा पानी छिड़ककर इन्हें मिलाएं। अब हरा लहसुन डालकर इसे मिक्स करें। फिर पैन को ढक दें और धीमी आंच पर इसे 3 से 4 मिनट तक पकाएं। गैस को बंद करे 2 मिनट बाद पैन का ढक्कन खोलकर चावल को अच्छी तरह चलाएं। तैयार है बटर गार्लिक फ्राइड राइस। इन्हें प्लेट में निकालकर गर्मागर्म सर्व करें।

चिल्ली पनीर

सामग्री

पनीर - 300 ग्राम, ग्रीन कैप्सीकम - 1 (कटी हुई), रैड कैप्सीकम - 1 (कटी हुई), कार्न फ्लोर - 3-4 स्पून, टमाटो सास - 1/4 कप, तेल- 3 -4 चम्मच, सिरका-2 छोटी चम्मच, सोया सास- 2 छोटी चम्मच, चिल्ली सास- 2 छोटी चम्मच, हरी मिर्च - 2-3 (छोटी काटी हुई), अदरक - 1 इंच टुकड़ा (कद्दूकस), नमक स्वादानुसार, काली मिर्च पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, चिल्ली फ्लेक्स -1/4 छोटी चम्मच, अजीनो मोटो-2 पिंच, पोदीना के पत्ते- 12

विधि

पनीर क्यूब्स को एक बाउल में रखें, उसमें डालें नमक, अदरक-लसहुन पेस्ट, मैदा, 1 छोटा चम्मच टोमाटो चिल्ली सॉस और अच्छे से मिलाएं। हरे प्याज को मोटा-मोटा काटें। एक नॉन स्टिक पैन में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें। लाल मिर्चों के छोटे टुकड़े करके उनके बीज निकालें और पैन में डालें। फिर हरे प्याज डालकर भूने। पैन में शिमला मिर्चें डालें और अच्छी तरह मिलाएं। नमक डालकर कुछ देर पकाएं। 1 बड़ा चममच टोमाटो चिल्ली सॉस डालें और 2 मिनिट तक पकने दें फिर आंच बुझा दें। पनीर के क्यूब्स को पैन में डालें और अच्छी तरह मिलाएं। गारमागरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**